हिंदी दैनिक

कलम की पहल

PRGI NO. UAHIN/25/A1323

वर्ष : 02 अंक : 150 पृष्ठ : 08 मूल्य : 1 रूपए नैनीताल, बुधवार, 18 नवंबर, 2026

E-mail: kalamkipahaluk@gmail.com Website: kalamkipahal.com

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने चमोली को दी 149.77 करोड़ की विकास योजनाओं की सौगात

149.77 करोड़ की 30 विकास योजनाओं का शिलान्यास–लोकार्पण, तीन सड़कों की भी घोषणा

पीपलकोटी। पर्वतीय क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और विकास कार्यों को गति देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को चमोली जनपद को 149.77 करोड़ रुपये की 30 विकास योजनाओं की सौगात दी। पीपलकोटी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने 133.59 करोड़ रुपये की 16 योजनाओं का शिलान्यास और 16.18 करोड़ रुपये की 14 योजनाओं का लोकार्पण किया। इसके साथ ही उन्होंने तीन महत्वपूर्ण मोटर मार्गों के निर्माण एवं सुधारीकरण की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार पर्वतीय क्षेत्रों में सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य बुनियादी सुविधाओं को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। विकास योजनाओं का उद्देश्य दूरस्थ गांवों तक बेहतर संपर्क और सुविधाएं पहुंचाना है, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार और बेहतर जीवन के अवसर मिल सकें। शिलान्यास की गई प्रमुख योजनाओं में गोविंदघाट में मोटर पुल निर्माण, ग्वालदम-नंदकेशरी मोटर मार्ग तथा थराली-देवाल-मुंदोली-वाण मोटर मार्ग का सुधारीकरण शामिल है। इसके अलावा हापला-मसौली से गुडम नैल और ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग से जयकंडी-ग्वाड़ मोटर मार्ग के निर्माण कार्य भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने जिन 14 योजनाओं का लोकार्पण किया, उनमें आईटीआई गोपेश्वर में कार्यशाला निर्माण, गौचर और उर्गम



में स्वास्थ्य इकाइयों से संबंधित कार्य, विभिन्न राजकीय इंटर कॉलेजों में प्रयोगशालाओं एवं कक्षा-कक्षों का निर्माण तथा आयुर्वेदिक चिकित्सालयों से जुड़ी योजनाएं शामिल हैं।इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने हेलंग-डूंगरी बरोसी मोटर मार्ग, गोपेश्वर-पोखरी मोटर मार्ग तथा त्रिशूला-भदूड़ा मोटर मार्ग के निर्माण एवं सुधारीकरण की घोषणा की। इन घोषणाओं को क्षेत्रीय आवागमन और संपर्क सुविधाओं के विस्तार की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट, प्रभारी मंत्री भरत सिंह चौधरी, विधायक अनिल नौटियाल एवं भूपाल राम टम्टा, जिला पंचायत अध्यक्ष दौलत सिंह बिष्ट, जिलाधिकारी गौरव कुमार, पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार और मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे।

होर्मुज स्ट्रेट में LPG टैंकर पर मिसाइल से हमला, जहाज पर 24 भारतीय थे सवार

नई दिल्ली। पनामा के झंडे वाला एलपीजी टैंकर तारा गैस होर्मुज स्ट्रेट में मिसाइल से हमला हुआ है। इस जहाज पर 24 भारतीय नागरिकों समेत कुल 25 सदस्यीय चालक दल सवार था। केंद्रीय जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हमले में सभी भारतीय नागरिक और चालक दल के अन्य सदस्य पूरी तरह सुरक्षित हैं। किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। इसके साथ ही जहाज के मैनेजमेंट से जुड़ी कंपनी के साथ भी लगातार संपर्क किया जा रहा है, ताकि जहाज पर मौजूद भारतीय नाविकों की सुरक्षा को सुनिश्चित किया जा सके।

यह घटना ऐसे समय हुई है, जब होर्मुज स्ट्रेट और उसके आसपास समुद्री सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। पिछले 24 घंटे के दौरान इस क्षेत्र में कम से कम



4 तेल टैंकरों के क्षतिग्रस्त होने की खबरें सामने आई हैं। ईरानी नौसेना ने बताया कि होर्मुज के पूर्वी हिस्से में एक और टैंकर नौसैनिक बारूदी सुरंग की चपेट में आने के बाद आग की चपेट में आ गया।

ईरान ने आरोप लगाया कि यह जहाज प्रतिबंधित समुद्री क्षेत्र में चल रहा था और उसके नेविगेशन सिस्टम बंद थे। ईरानी नौसेना के जनसंपर्क विभाग ने बताया कि टैंकर बिना नेविगेशन सिस्टम चालू किए प्रतिबंधित इलाके से गुजर रहा था।

ईरानी नौसेना ने इस घटना के बाद दूसरे जहाजों के संचालकों को भी चेतावनी दी है। उसने कहा कि कोई भी जहाज ईरानी सशस्त्र बलों के साथ तालमेल किए बिना प्रतिबंधित समुद्री क्षेत्रों में न जाए। रिपोर्ट के मुताबिक, नेवी ने अपने बयान में कहा कि नियमों के खिलाफ और सशस्त्र बलों के साथ तालमेल किए बिना की गई किसी भी अवैध गतिविधि का नतीजा बारूदी सुरंगों और आग के रूप में सामने आ सकता है। इस चेतावनी के बाद क्षेत्र में समुद्री जहाजों की आवाजाही को लेकर सतर्कता और बढ़ गई है। हालांकि, ईरानी नौसेना ने जिस टैंकर के बारूदी सुरंग की चपेट में आने की बात कही, उसकी पहचान से जुड़ी विस्तृत जानकारी रिपोर्ट में नहीं दी गई है।

यूपी में स्स्क्रके बाद नई ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी, 18.84 लाख मतदाता बढ़े पर जनगणना से 2.58 करोड़ का अंतर

लखनऊः उत्तर प्रदेश में स्स्क्र के बाद नई ड्रॉफ्ट वोटर लिस्ट जारी कर दी गई है. इसमें 18.84 लाख नए मतदाता बढ़े हैं. 10 अप्रैल की ड्राफ्ट लिस्ट के बाद अब 17 नवंबर को नई मतदाता सूची जारी की गई है. यूपी के मुख्य निर्वाचन आयुक्त नवदीप रिणवा ने ये जानकारी दी. रिणवा ने कहा है कि यूपी की वोटर लिस्ट में 18.84 लाख मतदाता बढ़े है, लेकिन जनगणना के अनुमान से 2.58 करोड़ का अंतर है. इसमें सबसे बड़ा सवाल है कि 1.64 करोड़ मतदाता कहां हैं. 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले उत्तर प्रदेश की मतदाता सूची के आंकड़ों ने एक बड़ी राजनीतिक बहस को जन्म दे दिया है. आंकड़ों के



मुताबिक, अप्रैल 2026 में उत्तर प्रदेश में 13.39 करोड़ मतदाता थे, जो सात महीने बाद बढ़कर 13.58 करोड़ हो गए. यानी इस अवधि में 18.84 लाख मतदाताओं की बढ़ोतरी दर्ज हुई. इनमें 18 से 19 वर्ष आयु वर्ग के 11.83 लाख नए मतदाता शामिल हैं. लेकिन इस बढ़ोतरी के बीच एक दूसरा आंकड़ा कहीं ज्यादा गंभीर सवाल खड़ा कर रहा है. पुरुषों के मुकाबले महिला मतदाताओं की संख्या में लगभग 3 लाख की अधिक बढ़ोतरी हुई है. लिंग अनुपात इससे 834 से बढ़कर 840 हो गया है. हालांकि 18-19 आयु वर्ग के नए मतदाताओं में कमी दर्ज की गई है.

सीएम योगी के दावे पर चुनाव आयोग का जवाब

धर्म के आधार पर हम कोई आंकड़ा नहीं देते

लखनऊ। यूपी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) ने कहा है कि निर्वाचन आयोग धर्म या जाति के आधार पर न तो वोटर लिस्ट तैयार करता है और न ही इस तरह का कोई आंकड़ा जारी करता है। सियासी गलियारों में वोटरों के नाम कटने को लेकर चल रही बहस पर सीईओ ने यह बात कही। सीईओ मंगलवार को एसएसआर के बाद यूपी की ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी कर रहे थे। उनसे जब सीएम योगी के उस दावे पर सवाल किया गया, जिसमें कहा गया था कि मतदाता सूची से 1.27 करोड़ हिंदू मतदाताओं का नाम गायब है। उस पर स्थिति स्पष्ट की। इसके साथ ही यह भी बताया कि यह आंकड़ा कहां से आया हो सकता है। सीईओ ने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची में किसी भी



नागरिक के धर्म का विवरण दर्ज नहीं होता है। उन्होंने कहा कि न तो किसी धर्म, जाति या विशेष मुहल्ले को टारगेट करके नाम हटाया गया है और न ही आयोग द्वारा कभी ऐसा किया जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि यहां नाम काटने का सीधा आरोप नहीं लगा है, बल्कि नाम गायब होने की बात कही गई है, लेकिन आयोग के पास धार्मिक आधार पर कोई डेटा उपलब्ध नहीं है।

राजनीतिक दलों और अन्य समूहों द्वारा किए जा रहे धार्मिक-जातीय दावों पर सीईओ ने तकनीकी पहलू समझाया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग की मतदाता सूची वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है। लोग इसे डाउनलोड कर बाजार में उपलब्ध विभिन्न थर्ड-पार्टी सॉफ्टवेयर के माध्यम से अपने स्तर पर विश्लेषण कर रहे हैं। सीईओ के अनुसार, अब मार्केट में ऐसे सॉफ्टवेयर आ गए हैं जिनका इस्तेमाल करके मतदाता सूची के पिछले और मौजूदा विवरण (नाम, उम्र, महिला-पुरुष आदि) का मिलान कर कई तरह के अनुमान लगाए जा सकते हैं, लेकिन चुनाव आयोग धर्म और जाति के आधार पर कोई विश्लेषण नहीं करता है। सीईओ ने जोर देकर कहा कि आयोग की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और नियमों के तहत होती है। मतदाता सूची में केवल मतदाता का नाम, आयु, लिंग और पते जैसी बुनियादी जानकारियां ही रहती हैं। ऐसे में किसी विशेष समुदाय के कितने नाम छूटे या जुड़े, इस बारे में आयोग आधिकारिक रूप से कुछ भी बताने की स्थिति में नहीं है।

नई मतदाता सूची में पिछली बार की तुलना में करीब 19 लाख मतदाता जोड़े गए हैं। इसके बाद भी जनसंख्या के अनुपात से तुलना करें तो अब भी ढाई करोड़ से ज्यादा मतदाताओं के नाम सूची में नहीं हैं। चुनाव आयोग ने लोगों के अपील की है कि जिनके भी नाम सूची में नहीं हैं, वह अपने नाम अगले एक महीने में जुड़वा सकते हैं।

महेंद्र सिंह धोनी ने IPL से लिया संन्यास, CSK ने पांच बार के चैंपियन को दिया नया रोल

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स को पांच बार चैंपियन बनाने वाले कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने आईपीएल से रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया है। वे चेन्नई सुपर किंग्स के लिए एक खिलाड़ी के तौर पर अब नजर नहीं आएंगे। उन्हें फ्रेंचाइजी ने नए रोल के लिए नियुक्त किया है। आईपीएल 2027 से वे चेन्नई सुपर किंग्स के मेंटोर की भूमिका में नजर आएंगे।

चेन्नई सुपर किंग्स ने मंगलवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा कि 'महेंद्र सिंह धोनी ने चेन्नई सुपर किंग्स के टीम मेंटोर का चार्ज संभाला। फ्रेंचाइजी ने आगे लिखा कि- 'महेंद्र सिंह धोनी शुरू से ही



हमारे सफर के साथ दिल से जुड़े रहे। वे अनगिनत जीतों, मुश्किल समय और हर परिस्थितियों में साथ रहने के लिए हमेशा हमारे दिलों में एक खिलाड़ी के रूप में बने रहेंगे।

हमें शान तक ले जाने से लेकर सुपर किंग्स की अगली पीढ़ी को गाइड करने तक थाला हमेशा हमारी पहचान का हिस्सा रहेंगे और चेन्नई हमेशा उनका घर रहेगा।' फ्रेंचाइजी ने उनके रिटायरमेंट की भी पुष्टि की। फ्रेंचाइजी ने लिखा- 'धोनी ने सुपर किंग्स को पांच IPL टाइटल जिताया है। इसके अलावा उन्होंने दो चैंपियंस लीग T20 टाइटल भी जीते हैं। एक कप्तान के तौर पर अपनी काबिलियत के अलावा, धोनी लीग के इतिहास के सबसे महान बल्लेबाजों में से एक हैं। वह सुपर किंग्स के लिए 5,314 रन के साथ दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं और 272 मैचों के साथ चेन्नई सुपर किंग के सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी हैं। अनगिनत बार आखिरी गेंद पर फिनिश और हेलीकॉप्टर शॉट CSK और IPL की कहानियों का हिस्सा हैं। फ्रेंचाइजी ने आगे लिखा- 'नंबरों से आगे बढ़कर धोनी क्रिकेट और चेन्नई सुपर किंग्स के एक और लेजेंड होने के स्टेटस से बहुत आगे निकल चुके हैं।

परिसीमन बिल की चर्चा के बीच मोदी मंत्रिपरिषद की अहम बैठक, फेरबदल की भी सुगबुगाहट

नई दिल्ली। विदेश दौरे से लौटते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की अहम बैठक 18 नवंबर 2026 की सुबह सेवा तीर्थ में होगी. सूत्रों के अनुसार इस बैठक में सुशासन और सुधार पर सबसे ज्यादा जोर होगा. बैठक में पिछली मंत्रिपरिषद की बैठक में हुई चर्चा और तय किए गए ऐक्शन प्लान की समीक्षा भी की जाएगी, सूत्रों के मुताबिक प्रधानमंत्री मोदी इस बैठक में महिलाओं और युवाओं तक सरकारी योजनाओं की पहुंच बढ़ाने को लेकर चर्चा कर सकते हैं. कुछ मंत्रालयों की तरफ से प्रजेंटेशन भी दिया जाएगा. ऐसे में कल होने वाली यह बैठक



अहम मानी जा रही है. 23 और 24 सितंबर को मंत्रिपरिषद के चिंतन बैठक के एजेंडे को आगे बढ़ाया जाएगा, गौरतलब है कि दो दिनों की इस चिंतन बैठक में केंद्र सरकार की करीब 45 प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक शत प्रतिशत पहुंचाने की रणनीति पर चर्चा की गई थी. उस चिंतन बैठक में पूरी मंत्रिपरिषद को आठ अलग-अलग समूहों में बांटा गया था. मंत्रियों ने अपने-अपने मंत्रालयों के कामकाज का ब्यौरा प्रस्तुत किया था. प्रधानमंत्री ने प्रत्येक समूह के साथ अलग-अलग संवाद किया था और सुझाव लिए थे. इसके साथ ही मंत्रालयों की आधिकारिक वेबसाइटों को अधिक यूजर-फ्रेंडली बनाने, लाइव डैशबोर्ड तैयार करने और 'विकसित भारत ञ्च2047' के लक्ष्य की दिशा में सुधारों की गति तेज करने के लिए कहा गया था. सूत्रों के अनुसार बुधवार की बैठक में शासन, सुधारों तथा कल्याणकारी एवं विकास योजनाओं के बारे में महिलाओं और युवाओं तक पहुंच बनाने जैसे कई मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है.

संसद आने के बजाय वॉशरूम में जाकर बैठते थे अमित शाहः उद्धव ठाकरे

नई दिल्ली। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा हमला बोला है। ठाकरे ने कहा कि बीजेपी और सुशासन एक-दूसरे के विपरीत हैं। उन्होंने दिल्ली में जेन-जी के विरोध प्रदर्शनों के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर अमित शाह पर निशाना साधा। ठाकरे ने आरोप लगाया कि जब विपक्ष संसद में गृह मंत्री से जवाब मांग रहा था, तब वह सदन में आने के बजाय वॉशरूम में जाकर बैठ जाते थे। उन्होंने कहा



कि शाह को संसद में आकर विपक्ष के सवालों का जवाब देना चाहिए था। शिवसेना BT चीफ ने अमित शाह के उस बयान पर सवाल उठाया, जिसमें उन्होंने कहा था कि कोरोना महामारी के दौरान उनकी उद्धव ठाकरे से कोई बातचीत नहीं हुई थी। ठाकरे ने शाह के बयान को झूठा बताते हुए कहा कि वह हमेशा गलत बातें करते रहे हैं। उन्होंने गुलाम अली की गजल की एक पंक्ति का जिक्र करते हुए कहा, 'ये बातें झूठी बातें हैं।' ठाकरे ने कहा कि देश की जिम्मेदारी ऐसे लोगों के हाथों में होना खतरनाक है, जो लगातार झूठ बोलते हैं। मुंबई में मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने अमित शाह पर कई मुद्दों को लेकर निशाना साधा। उद्धव ठाकरे ने सोमवार को पुणे में दिवंगत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) नेता अजित पवार की प्रतिमा के अनावरण को लेकर भी अमित शाह पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस बीजेपी ने कभी अजित पवार पर 70 हजार करोड़ रुपये के घोटाले और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे, उसी पार्टी के सीनियर नेता अब उनकी प्रतिमा का अनावरण कर रहे हैं। ठाकरे ने कहा कि अमित शाह को अजित पवार को श्रद्धांजलि देने से पहले उनके सामने सिर झुकाकर माफी मांगनी चाहिए थी।

कलकत्ता हाई कोर्ट ने अभिषेक बनर्जी को जारी किया 'कारण बताओ नोटिस', आपराधिक अवमानना से जुड़ा है केस

कोलकाताः कलकत्ता हाई कोर्ट ने मंगलवार को तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी की 'अदालत के खिलाफ' की गई टिप्पणियों और सोशल मीडिया पोस्ट को प्रथम दृष्टया आपराधिक अवमानना माना. इसके साथ ही कोर्ट ने उन्हें 'कारण बताओ नोटिस' जारी किए जाने का आदेश दिया. कोर्ट ने अभिषेक बनर्जी को नोटिस जारी होने की तारीख से 15 दिनों के अंदर जवाब देने का निर्देश



दिया है. अभिषेक बनर्जी के बयानों को लेकर अदालत द्वारा स्वतः शुरू की गई आपराधिक अवमानना की कार्यवाही पर आदेश सुनाते हुए जस्टिस कृष्ण राव ने कहा कि कोर्ट ने सांसद की टिप्पणियों के लिखित विवरण और सात नवंबर की सोशल मीडिया पोस्ट का अध्ययन किया है. कलकत्ता हाई कोर्ट ने डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक बनर्जी को कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया. इसमें उनसे नोटिस जारी होने की तारीख से 15 दिनों के अंदर यह स्पष्ट करने को कहा गया है कि उनके खिलाफ उचित दंडात्मक कार्रवाई क्यों न की जाए.

टनकपुर-बनबसा को मिलेगी जलभराव से राहत, 69 करोड़ की जल निकासी योजनाओं की निविदाएं स्वीकृत

जीआईएस आधारित डीपीआर पर बनेगी आधुनिक ड्रेनेज व्यवस्था, टनकपुर में 53.97 और बनबसा में 15.48 करोड़ से होंगे काम

बारिश में बाजार और गलियों में पानी भरने की समस्या होगी कम



के.के.पी संवाददाता

चम्पावत। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के 'आदर्श चम्पावत' विजन के अनुरूप जिलाधिकारी मनीष कुमार के नेतृत्व में जिले की बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में एक और अहम कदम उठाया गया है। टनकपुर और बनबसा में बाढ़ व जलभराव का खतरा कम करने तथा बारिश के पानी की बेहतर निकासी के लिए प्रस्तावित कार्यों की निविदाएं स्वीकृत कर दी गई हैं।

सिंचाई विभाग ने दोनों क्षेत्रों की जीआईएस आधारित जल निकासी योजनाओं की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) के अनुरूप मैसर्स एटीसी-मैकटेक संयुक्त उपक्रम की निविदाएं स्वीकार की हैं। टनकपुर के लिए जीएसटी सहित 53 करोड़ 96 लाख 81 हजार रुपये और बनबसा के लिए 15 करोड़ 48 लाख 26 हजार रुपये की अनुबंध राशि स्वीकृत की गई है। सिंचाई कार्य मंडल पिथौरागढ़ के अधीक्षण अभियंता ने निविदा स्वीकृति पत्र जारी कर दिए हैं।

इन योजनाओं में डिजिटल नक्शों और स्थानीय भौगोलिक जानकारी के आधार पर बारिश के पानी के बहाव और जलभराव वाले स्थानों को ध्यान में रखकर निकासी व्यवस्था विकसित की जाएगी। इससे अलग-अलग इलाकों से आने वाले बरसाती पानी को तय मार्गों से व्यवस्थित ढंग से निकाला जा सकेगा।

कार्य पूरे होने पर बारिश के दौरान सड़कों, बाजारों और आवासीय गलियों में पानी भरने की समस्या कम होगी। बच्चों को स्कूल जाने, लोगों को कामकाज और खरीदारी के लिए आने-जाने तथा जरूरत पड़ने पर स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचने में आसानी होगी। निचले इलाकों में घरों और दुकानों में पानी घुसने का खतरा भी घटेगा, जिससे दोनों नगरों का बुनियादी ढांचा मजबूत होगा।

बाल दिवस पर विजन पब्लिक स्कूल में विधिक साक्षरता शिविर, बच्चों को बताए उनके अधिकार

प्राधिकरण सचिव भवदीप रावत ने दी शिक्षा के अधिकार और सड़क सुरक्षा की जानकारी, न्यायिक मजिस्ट्रेट ने समझाया पॉक्सो एक्ट

नशा मुक्ति अभियान के तहत भी किया गया जागरूक



के.के.पी संवाददाता

टनकपुर। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चम्पावत की ओर से बाल दिवस के अवसर पर विजन पब्लिक स्कूल टनकपुर में विशेष विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर और नशा मुक्ति अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य नवल किशोर तिवारी ने की। शिविर में मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव भवदीप रावत तथा विशिष्ट अतिथि न्यायिक मजिस्ट्रेट काजल रानी और सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी मनोज भदौरिया मौजूद रहे।

प्राधिकरण सचिव भवदीप रावत ने छात्र-छात्राओं को बाल अधिकारों, 14 वर्ष तक के बच्चों के नि:शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा के मौलिक अधिकार, बाल सुरक्षा और सड़क सुरक्षा के नियमों की विस्तार से जानकारी दी। न्यायिक मजिस्ट्रेट काजल रानी ने बच्चों को लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो एक्ट) 2012 के कानूनी प्रावधानों के बारे में बताया।

इसके अलावा प्राधिकरण के सभी पराविधिक स्वयंसेवकों (पीएलवी) ने भी अपने-अपने क्षेत्रों में बाल दिवस पर विशेष विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को जागरूक किया।

एक नजर

होमगार्ड्स भर्ती परिणाम पर आपत्ति है तो 19 नवंबर को पहुंचें जिला कमांडेंट कार्यालय

अभ्यर्थियों की शंकाओं और आपत्तियों का किया जाएगा निराकरण

के.के.पी संवाददाता/चम्पावत। होमगार्ड्स स्वयंसेवक भर्ती वर्ष 2026 के परिणाम को लेकर अभ्यर्थियों के लिए महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। जिला कमांडेंट होमगार्ड्स जुगल किशोर भट्ट ने बताया कि होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा मुख्यालय उत्तराखंड, देहरादून के निर्देश पर भर्ती प्रक्रिया में शामिल जिन अभ्यर्थियों को अपने परीक्षाफल को लेकर कोई शंका, संदेह या आपत्ति है, वे 19 नवंबर 2026 को कार्यालय समय में जिला कमांडेंट होमगार्ड्स कार्यालय चम्पावत में उपस्थित हो सकते हैं, जहां उनकी आपत्तियों का निराकरण किया जाएगा।

रिजर्व पुलिस लाईन मालता बागेश्वर में





मंगलवार की परेड का आयोजन

के.के.पी संवाददाता। आज दिनांक-17/11/2026 को पुलिस अधीक्षक बागेश्वर के आदेशानुसार, रिजर्व पुलिस लाइन मालता में मंगलवार की परेड का आयोजन किया गया। पुलिस उपाधीक्षक कपकोट राजेश साह की उपस्थिति में आयोजित परेड में पुलिस लाइन की समस्त शाखाओं, मदों, गणना के हकदार जवानों ने प्रतिभाग किया।

परेड के दौरान पुलिस उपाधीक्षक महोदय द्वारा जवानों के टर्नआउट का बारीकी से निरीक्षण किया गया। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को उच्च स्तर का अनुशासन बनाए रखने के निर्देश दिए। परेड के दौरान पुलिसकर्मियों ने तेज चाल, ड्रिल और शस्त्राभ्यास किया। साथ ही उन्हें सैल्यूट और स्क्वाड ड्रिल की बारीकियां सिखाई गईं। महोदय द्वारा बेहतर स्वास्थ्य प्रबंधन और नियमित व्यायाम पर जोर दिया गया जिससे जवान अपनी ड्यूटी का निर्वहन अधिक ऊर्जा के साथ कर सकें। कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से जवानों को शस्त्रों के संचालन और रख-रखाव की जानकारी दी गई।

ऐपण कला से चमकी रमक की बेटी उमा जोशी, दिल्ली क्राफ्ट काउंसिल के पुरस्कार के लिए चयन

21 नवंबर को होंगी सम्मानित, 18 माह तक हर महीने मिलेंगे एक हजार रुपये

मां से सीखा हुनर, ऑनलाइन बिक्री से निकाल रहीं पढ़ाई का खर्च

के.के.पी संवाददाता

देवीधुरा। सुदूर गांव रमक की रहने वाली और आदर्श राजकीय महाविद्यालय देवीधुरा की तृतीय वर्ष की छात्रा उमा जोशी ने अपनी हस्तकला और ऐपण के हुनर से बड़ी पहचान बनाई है। उनकी ऐपण कलाकृतियों को दिल्ली क्राफ्ट काउंसिल ने पुरस्कार के लिए चुना है। 21 नवंबर को उन्हें समारोहपूर्वक सम्मानित किया जाएगा। काउंसिल की ओर से उन्हें पुरस्कार स्वरूप 18 माह तक प्रतिमाह एक हजार रुपये की राशि दी जाएगी।



उमा ने यह हुनर अपनी मां विमला जोशी से सीखा है। कलाकृतियां बनाने में उनकी रुचि बचपन से रही है। उनकी कलाकृतियों को हर जगह सराहना मिली तो उन्होंने इसे व्यवसाय से जोड़ लिया। आज उनकी कलाकृतियां ऑनलाइन भी बिक रही हैं और इससे वे अपनी पढ़ाई का खर्च आसानी से निकाल लेती हैं। उमा थाली, लोटा, कटोरा, गिलास, फ्रेम और नेम प्लेट पर आकर्षक ऐपण डिजाइन तैयार करती हैं, जिनकी ऑनलाइन अच्छी मांग है।

वर्तमान में परिवार के साथ बाराहीधाम में रह रहीं उमा ऐपण को स्वरोजगार का बेहतर माध्यम मानती हैं और अन्य बालिकाओं को भी इस क्षेत्र में आने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

उनका कहना है कि हर छात्रा को पढ़ाई के दौरान ही कोई ऐसा हुनर सीखना चाहिए, जो पढ़ाई में आर्थिक मदद करे और आगे चलकर रोजगार का जरिया भी बन सके।

श्री बाराही मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष और रेलवे कॉरिडोर के पूर्व महानिदेशक हीरा बल्लभ जोशी उमा के इस प्रयास को लगातार प्रोत्साहित कर रहे हैं।

राज्य स्थापना दिवस सप्ताह के तहत आयोजित कार्यक्रम में संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत बनाने पर दिया जोर

के.के.पी संवाददाता

अल्मोड़ा। भारतीय जनता पार्टी उत्तराखंड द्वारा राज्य स्थापना दिवस सप्ताह के अंतर्गत संगठनात्मक कार्यक्रमों की श्रृंखला में जागेश्वर मंडल के बानठोक शक्ति केंद्र में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश मंत्री गौरव पांडेय , ने प्रतिभाग करते हुए कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय लोगों को संबोधित किया।इस अवसर पर गौरव पांडेय ने उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस सप्ताह के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उत्तराखंड राज्य का निर्माण जनभावनाओं, लंबे संघर्ष और आंदोलनकारियों के त्याग एवं बलिदान का परिणाम है। राज्य स्थापना के मूल उद्देश्यों को साकार करना तथा प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।



उन्होंने भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा, केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों तथा संगठन की कार्यपद्धति की जानकारी देते हुए लोगों से पार्टी से जुड़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश मंत्री गौरव पांडेय एवं जागेश्वर विधायक मोहन सिंह मेहरा , जिला पंचायत अध्यक्ष हेमा गैडा,जिला महामंत्री भाजपा प्रकाश भट्ट, जागेश्वर मंडल अध्यक्ष हरीश प्रसाद, हेम पांडेय, महेंद्र मेहरा, ग्राम प्रधान गिरीश, पंकज पांडेय, ग्राम प्रधान बरतोली, हरीश गेलाकोटी, हरीश बनोला, शिवराज बनोला, किशन सिंह बनोला, प्रकाश राम, पूरन पांडेय, विनोद तिवारी आदि लोग मौजूद थे

भू-राजस्व बकाया राशि के मामले में 26 नवंबर को होगी भूमि की नीलामी

के.के.पी संवाददाता

अल्मोड़ा। तहसील जैंती के ग्राम बचकाण्डे निवासी प्रताप सिंह रौतेला, पुत्र बची सिंह रौतेला के नाम न्यायालय देय की 14 लाख 30 हजार 198 रुपये की धनराशि भू-राजस्व के रूप में बकाया है। बकायेदार की ओर से धनराशि जमा न किए जाने पर उसके नाम दर्ज अचल संपत्ति की कुर्की एवं नीलामी 26 नवंबर को निर्धारित की गई है। विक्रय अधिकारी/नायब तहसीलदार जैंती के अनुसार नीलामी ग्राम बचकाण्डे, राजस्व उप निरीक्षक क्षेत्र मोरनौला में दोपहर 12 बजे की जाएगी। नीलामी में सबसे अधिक बोली लगाने वाले व्यक्ति को बोली की एक-चौथाई राशि मौके पर ही जमा करनी होगी। शेष धनराशि स्वीकृति प्राप्त होने के बाद जमा करनी होगी। नीलामी के लिए निर्धारित भूमि में ग्राम बचकाण्डे की खाता-खतौनी संख्या 03 में बसरानंबर 95 का 0.068 हेक्टेयर, खाता संख्या 45 में बसरानंबर 114 का 0.005 हेक्टेयर, खाता संख्या 48 में बसरानंबर 2238 का 0.001 हेक्टेयर, खाता संख्या 63 में बसरानंबर 237 का 0.169 हेक्टेयर और खाता संख्या 85 में बसरानंबर 61 का 0.044 हेक्टेयर भूमि शामिल है। ग्राम बचकाण्डे में कुल 0.287 हेक्टेयर भूमि है।

इसके अलावा जाख बचकाण्डे में खाता-खतौनी संख्या 07 के बसरानंबर 03 में 0.021 हेक्टेयर तथा ग्राम स्यूनानी में खाता-खतौनी संख्या 11 के बसरानंबर 2149 में 0.001 हेक्टेयर भूमि शामिल है। इस प्रकार राजस्व उप निरीक्षक क्षेत्र मोरनौला के अंतर्गत तीनों गांवों में कुल 0.309 हेक्टेयर (15 नाली 07 मुट्ठी) भूमि की नीलामी की जाएगी।

गोरलचौड़ मैदान में 20 से 22 दिसंबर तक सजेगा 'दीदी-बैणी कौथिक'

सीडीओ अजय सिंह ने की तैयारियों की समीक्षा, स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों के लिए लगेंगे लाइव स्टॉल

के.के.पी संवाददाता

चम्पावत। जिले में 20, 21 और 22 दिसंबर को गोरलचौड़ मैदान में होने वाले 'दीदी-बैणी कौथिक' की तैयारियों को लेकर मुख्य विकास अधिकारी अजय सिंह की अध्यक्षता में संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक हुई। बैठक में तीन दिवसीय कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विभिन्न विभागों की जिम्मेदारियों और जरूरी व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।



बैठक में कार्यक्रम में शामिल होने वाली स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं और आगंतुकों के लिए परिवहन, भोजन और पार्किंग की बेहतर व्यवस्था पर जोर दिया गया। साथ ही विभिन्न आजीविका गतिविधियों और स्थानीय उत्पादों के प्रदर्शन के लिए लाइव स्टॉल लगाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया।

सीडीओ ने स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण महिलाओं की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने, उनके उत्पादों को बेहतर मंच देने और स्थानीय आजीविका गतिविधियों को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय से समयबद्ध तरीके से तैयारियां पूरी करने को कहा, ताकि कार्यक्रम सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

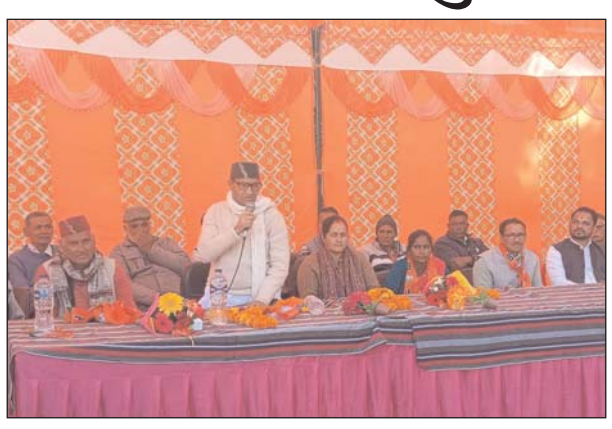
बैठक में सहायक परियोजना निदेशक विम्मी जोशी, जिला उद्यान अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी और सभी खंड विकास अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। कुछ अधिकारी वर्चुअल माध्यम से भी जुड़े।

भाजपा सरकार के कार्य को देखते हुए धुरा में सैकड़ों लोगों ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए

के.के.पी संवाददाता

अल्मोड़ा। जागेश्वर विधायक मोहन सिंह महरा ने ग्राम पंचायत धुरा में जनसभा को संबोधित करते हुए सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी और प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जन उपयोगी योजनाओं की जानकारी आम जनमानस को दी। इस दौरान भाजपा सरकार के कार्यों से प्रभावित होकर सैकड़ों लोगों ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए।कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने वालों का जागेश्वर विधायक मोहन सिंह महरा ने फूल मालाओं व भाजपा के पटका से स्वागत किया। कांग्रेस छोड़ भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने वालों में पूर्व प्रधान मलाड मोहन सिंह मेहरा, हिरा सिंह मेहरा, किशन सिंह महरा, सुन्दर सिंह महरा, दिवान सिंह महरा, हिम्मत सिंह महरा, देव सिंह महरा, जगत सिंह महरा, गोपाल सिंह महरा, तिलोक सिंह, पूरन सिंह मलारा, गिरीश जोशी, पंकज सिंह, अजय सिंह, विशन सिंह, पार्वती देवी, गोपूली देवी, पूर्व प्रधान देवकी देवी, हंसा देवी, रेखा देवी, देवकी देवी, मोती देवी, गणेश राम, मथुरा राम, तारी राम, चिन्तामण भट्ट, खीमा भट्ट, बची राम, दिवान राम, हरीश राम, केशव राम, गणेश राम, किशन राम, नारायण राम, सीता राम, दीपा देवी, सरस्वती देवी, मुन्नी देवी, आनंदी देवी, जीवन्ती देवी, प्रेमा देवी, महीमा देवी, दीपक तिवारी, कमल तिवारी, मोहन जोशी, हरीश तिवारी, नारायण सिंह, उमेद सिंह, दिनेश पाठक, दीपक उप्रेती, गोकुल पांडेय आदि शामिल हैं।





इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष हेमा गैडा, पूर्व प्रधानाचार्य महेन्द्र सिंह बिष्ट, पूर्व प्रधान खीमानंद पालीवाल, पूर्व मंडल अध्यक्ष दन्या लक्ष्मण डसीला, पूर्व मंडल अध्यक्ष गोपाल सिंह बिष्ट, दीपक भट्ट, प्रधान धुरा मनीषा देवी, पूर्व प्रधान धुरा हरीश जोशी, गणेश पाण्डेय, महेश जोशी, पूर्व प्रधान खेती कौस्तुभानन्द उप्रेती, उरबा दत्त, राजेंद्र पांडेय, महेश भट्ट, गणेश उप्रेती, प्रधान खटियोला दिवान सिंह, खीम सिंह, प्रधान प्रतिनिधि धुरा सुन्दर, महेश जोशी, दुर्गादत, मोहन जोशी, मोहन पाठक, विजय कुमार आदि उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी अपूर्वा पाण्डे ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) एवं ग्रामीण उद्यम वेग वृद्धि परियोजना (रीप) के अंतर्गत संचालित कार्यों की समीक्षा की

के.के.पी संवाददाता

जिलाधिकारी ने स्वयं सहायता समूहों की आजीविका गतिविधियों, स्वरोजगार, उद्यम स्थापना एवं उत्पादों के विपणन की प्रगति की जानकारी लेते हुए समूहों की आय बढ़ाने तथा महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रभावी प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी क्लस्टर लेवल फेडरेशन (सीएलएफ) की बैलेंसशीट एवं गतिविधियों का विवरण साझा करने तथा बेहतर कार्य करने वाली 10 महिलाओं को चिन्हित कर एक्सपोजर विजिट कराने को कहा।



उन्होंने रीप को चार सीएलएफ में पॉलीहाउस स्थापित करने का लक्ष्य देने और समूह की सदस्यों को वित्तीय साक्षरता के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने महिलाओं को बचत, बैंकिंग, ऋण प्रबंधन एवं विभिन्न वित्तीय योजनाओं की जानकारी देकर आर्थिक रूप से अधिक सक्षम बनाने पर जोर दिया। साथ ही स्वयं सहायता समूहों को प्रशिक्षण, तकनीकी सहयोग एवं विपणन की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने को कहा। जिला विकास अधिकारी संगीता आर्या ने बताया समूहों को आर्थिक आधार पर सशक्त बनाने के लिए ग्रोथ सेंटर, सरस केंद्र, सरस मेले के माध्यम से लोकल उत्पादों का विपणन का कार्य किया जा रहा है। बताया कि जनपद में अब तक 12 हजार महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं तथा 3,285 स्वयं सहायता समूहों एवं 26 क्लस्टर लेवल फेडरेशन का गठन किया गया है।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी नरेश कुमार सहित भेषज समन्वयक ताहिर हुसैन सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पेट्रोल-डीजल-एलपीजी की कीमतों में आएगा उछाल !

एजेंसियों का खर्च बढ़ने का दिया हवाला : पेट्रोल पर 1.50 रूपए, डीजल पर 2.50 रूपए प्रति लीटर और गैस सिलेंडर पर 122 रूपए अतिरिक्त कमीशन की मांग, संचालन खर्च बढ़ने का दिया हवाला, तेल कंपनियों के पास 18 से ज्यादा प्रस्ताव लंबित

नई दिल्ली। देशभर के पेट्रोल-डीजल पंप संचालकों और एलपीजी डीलर्स ने कमीशन बढ़ाने के लिए सरकार और तेल कंपनियों पर दबाव बढ़ा दिया है। पेट्रोलियम मंत्रालय के सामने रखी गई मांग में पेट्रोल पंप डीलर्स ने अपने कमीशन में 30 से 40 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की मांग की है। वहीं, एलपीजी डीलर्स प्रति सिलेंडर मौजूदा कमीशन में 122 रुपए का इजाफा चाहते हैं। यदि मांगें स्वीकार होती हैं तो पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों पर भी इसका असर पडने की आशंका है। सूत्रों के मुताबिक, पेट्रोल पंप संचालकों ने पेट्रोल पर प्रति लीटर 1.50 रुपए और डीजल पर 2.50 रुपए कमीशन बढ़ाने का प्रस्ताव रखा है। उनका तर्क है कि पिछले कुछ वर्षों में कर्मचारियों के वेतन, बिजली, बैंकिंग शुल्क, मशीनों के रखरखाव और अन्य प्रशासनिक खर्चों में लगातार बढ़ोतरी हुई है। इसके बावजूद कमीशन में उसी अनुपात में संशोधन नहीं हुआ है।

एलपीजी सिलेंडर पर 197 रुपए कमीशन की मांग

रसोई गैस एजेंसी संचालकों ने भी अपने मार्जिन में बड़ी बढ़ोतरी की मांग की है। फिलहाल उन्हें प्रति सिलेंडर करीब 75 रुपए कमीशन मिलता है। डीलर्स इसे बढ़ाकर करीब 197 रुपए करना चाहते हैं। यानी मौजूदा कमीशन के अतिरिक्त 122 रुपए देने की मांग की गई है। एलपीजी डीलर्स का कहना है कि सिलेंडर की डिलीवरी, कर्मचारियों के वेतन, गोदाम के रखरखाव और परिवहन सहित अन्य खर्च लगातार बढ़ रहे हैं। मौजूदा कमीशन में इन खर्चों का प्रबंधन करना मुश्किल हो रहा है।

छोटे और ग्रामीण पंपों पर ज्यादा दबाव

पेट्रोल पंप संचालकों के मुताबिक, बढ़ती संचालन लागत का सबसे ज्यादा असर छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के पंपों पर पड़ रहा है। यहां बिक्री का स्तर बड़े शहरी पंपों की तुलना में कम रहता है, जबकि कर्मचारियों, बिजली और मशीनों के रखरखाव जैसे खर्च लगभग समान रूप से वहन करने पड़ते हैं। डीलर्स का दावा है कि मौजूदा मार्जिन में कारोबार चलाना चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है।

2024 में हुआ था आखिरी संशोधन

पेट्रोल-डीजल डीलर्स के कमीशन में आखिरी बार 2024 में बदलाव किया गया था। अब डीलर्स महंगाई और बढ़ती संचालन लागत के आधार पर नए सिरे से संशोधन चाहते हैं। सूत्रों के अनुसार, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के पास कमीशन संशोधन से जुड़े 18 से अधिक प्रस्ताव लंबित हैं।

'तब तक सुनवाई नहीं, जब तक कि....', राहुल गांधी के 48 सवालों वाली अर्जी पर CJI की खरी-खरी



नई दिल्ली। विशेष मतदाता गहन पुनरीक्षण (SIR) में गड़बड़ियों के आरोपों से संबंधित याचिकाओं और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी और इंडिया गठबंधन के अन्य नेताओं द्वारा पूछे गए 48 सवालों पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वह इस मामले की तब तक सुनवाई नहीं कर सकता, जब तक कि भारत निर्वाचन आयोग (ECI) इस अर्जी पर अपनी आपत्तियां दाखिल न कर दे। देश के मुख्य न्यायाधीश (CJI) जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने मंगलवार (17 नवंबर) को कहा कि ECI द्वारा इस अर्जी पर अपनी आपत्तियां दाखिल करने के बाद पीठ 9 दिसंबर को इस मामले की सुनवाई करेगी। ECI की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने कहा कि चुनाव आयोग को राहुल गांधी की इस अर्जी पर गंभीर आपत्तियां हैं। साल्वे ने कहा, 'हमें इस पर कुछ कहना है। इसमें बहुत गंभीर पूर्वाग्रह है।' इस पर CJI सूर्यकांत ने टिप्पणी की, 'जो भी हो, आप अपना जवाब दाखिल कर सकते हैं। आप अपनी आपत्तियां उठा सकते हैं।' CJI ने आगे कहा, 'हम इन सवालों के मुद्दे पर विचार करेंगे और फिर कोई फैसला लेंगे।' राहुल गांधी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल पेश हुए थे। इससे पहले कपिल सिब्बल ने राहुल गांधी और 'इंडिया' गठबंधन के अन्य नेताओं की ओर से दाखिल 48 सवालों वाले उस आवेदन का जिक्र किया, जिसमें चुनाव आयोग से देशभर में एसआईआर की प्रक्रिया और फैसले लेने के तरीके से जुड़े 48 लिखित सवाल पूछने की अनुमति मांगी गई है। सिब्बल ने कहा, 'हम निर्वाचन आयोग से कुछ सवालों के जवाब मांग रहे हैं। इस बीच आयोग इनका जवाब दे सकता है।' इस पर प्रधान न्यायाधीश ने कहा, 'हम एक तारीख तय कर रहे हैं। हम सवालों से जुड़े आपके आवेदन पर भी सुनवाई करेंगे और फिर इस पर फैसला लेंगे।

राहुल की याचिका में क्या?

दरअसल, राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं ने उच्चतम न्यायालय में आवेदन देकर मांग की है कि निर्वाचन आयोग की ओर से उप निर्वाचन आयुक्त, मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) और दोनों निर्वाचन आयुक्त हलफनामा दायर कर विभिन्न मुद्दों पर जवाब दें, जिनमें एसआईआर को मंजूरी देना, मतदाता सूची से कथित तौर पर नाम हटाए जाना और निर्वाचन आयोग की ऑनलाइन मतदाता पंजीकरण प्रणाली में किए गए बदलावों से जुड़े मुद्दे शामिल हैं।

आयोग की पारदर्शिता पर सवाल

याचिका में सवाल किया गया है कि क्या निर्वाचन आयोग ने राष्ट्रव्यापी स्ट्रक्चर से जुड़े फैसले वास्तव में एक सामूहिक निकाय के रूप में लिए थे या फिर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने अन्य निर्वाचन आयुक्तों की जानकारी, मंजूरी या सहमति के बिना ही आयोग की शक्तियों का इस्तेमाल किया था।याचिकाकर्ताओं ने ऑनलाइन 'फॉर्म-6' में किए गए बदलावों और 'ईसीआईनेट' तथा 'ईआरओनेट' मतदासा सूची डेटाबेस के कामकाज पर भी सवाल खड़े किए, जिसे उन्होंने 'केंद्रीकृत' और 'गैरपारदर्शी' बताया।

श्रीनगर में कांग्रेस का विरोध मार्च रोका गया, भाजपा विधायक पर एफआईआर की मांग

श्रीनगर। मंगलवार को जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जेकेपीसीसी) के विरोध प्रदर्शन को पुलिस ने रोक दिया। यह प्रदर्शन भाजपा पर क्षेत्र में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिशों के खिलाफ था, और इसमें किश्तवाड़ से भाजपा विधायक शगुन परिहार के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करने की मांग की गई। बीजेपी विधायक परिहार ने दावा किया था कि किश्तवाड़ में दो विशेष पुलिस अधिकारियों (एसपीओ) की हत्या से पहले एक मस्जिद से कुछ घोषणाएं की गई थीं, जिस पर कांग्रेस ने कड़ी आपत्ति जाहिर की है।

पार्टी मुख्यालय एमए रोड पर कांग्रेस के दर्जनों कार्यकर्ता एकत्र हुए। उन्होंने भाजपा के खिलाफ और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी तथा जेकेपीसीसी अध्यक्ष तारिक कर्रा के समर्थन में नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य सड़क पर मार्च निकालने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया।

मीडिया से बात करते हुए, कांग्रेस की श्रीनगर जिला इकाई के अध्यक्ष आदिल मीर ने कहा कि उनकी पार्टी 'सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की भाजपा की कोशिशों' के खिलाफ आवाज उठाना चाहती थी, लेकिन पुलिस ने उन्हें मुख्यालय से बाहर नहीं निकलने दिया। मीर ने मांग की कि परिहार के खिलाफ तत्काल प्राथमिकी दर्ज की जाए और वह सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। मीर ने बताया कि कांग्रेस कार्यकर्ता अपने प्रदेश अध्यक्ष तारिक कर्रा के प्रति एकजुटता व्यक्त करना चाहते थे, जिनकी उन टिप्पणियों के लिए भाजपा ने आलोचना की थी, जिनमें कर्रा ने एसपीओ को सुरक्षा बलों द्वारा गलती से आतंकवादी समझकर गोली मारने की आशंका जताई थी। मीर ने आरोप लगाया कि भाजपा अपनी विफलताओं, खासकर सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर, से ध्यान भटकाने के लिए जम्मू-कश्मीर में सांप्रदायिक तनाव भड़काने की कोशिश कर रही है।

भारत समिट विवाद: विदेशी नेता के नारे पर सुप्रीम कोर्ट में एसआईटी जांच की मांग

इटली के एक प्रमुख नेता ने लगाया था वोट चोर, गद्दी छोड़ का नारा

नई दिल्ली। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में हाल ही में आयोजित भारत समिट 2026 के दौरान दिए गए एक कथित राजनीतिक नारे को लेकर उपजा विवाद अब सुप्रीम कोर्ट पहुँच गया है। मामले में सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल की गई है, जिसमें पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जाँच के लिए विशेष जाँच दल (एसआईटी) के गठन की मांग की गई है। यह मामला तेलंगाना सरकार द्वारा 13 और 14 नवंबर को आयोजित भारत समिट 2026 से जुड़ा है। आरोप है कि कार्यक्रम के दौरान इटली के एक प्रमुख नेता और पार्टी ऑफ यूरोपियन सोशलिस्ट्स के महासचिव जियाकोमो फिलिबेक ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के समर्थन में कथित तौर पर वोट चोर, गद्दी छोड़ का नारा लगाया था। इस घटना के सामने आने के बाद से ही समिट को लेकर देश की राजनीतिक गलियारों में आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया था। वरिष्ठ वकील जाहिद अली ने संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। वरिष्ठ वकील अली ने अपनी याचिका में, आरोप लगाया है कि समिट में शामिल विदेशी प्रतिनिधियों ने भारत के आंतरिक राजनीतिक मामलों में हस्तक्षेप किया है, जो देश की संप्रभुता के लिए चिंताजनक है। याचिका में इन विदेशी प्रतिनिधियों के वीजा नियमों के संभावित उल्लंघन की गहन जांच की मांग की गई है। याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट से एक स्वतंत्र एसआईटी गठित कर पूरे प्रकरण की विस्तृत जाँच कराने का अनुरोध किया है। इसके अतिरिक्त, याचिका में समिट के आयोजन से संबंधित सभी सरकारी अनुमतियों और प्रक्रियाओं की भी पड़ताल करने की मांग की गई है। वरिष्ठ वकील अली ने तेलंगाना सरकार से विवाद पर सार्वजनिक माफी मांगने, इससे जुड़े सभी वीडियो फुटेज को हटाने और सभी इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को सुरक्षित रखने के लिए तत्काल निर्देश जारी करने की भी अपील की है।

पीएम मोदी ने छठ मीटिंग से पहले स्टेज पर नीचे रखे तिरंगे को उठाया, ट्रंप ने थपथपाई पीठ

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फिलीपींस की राजधानी मनीला पहुंचे हैं, जहां क्वाड नेताओं के साथ बैठक होनी है। इससे पहले के एक घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें पीएम मोदी भारतीय तिरंगे को उठाते दिख रहे हैं। दरअसल, क्वाड नेताओं की बैठक के लिए पहुंचने पर पीएम मोदी ने पहचान के लिए स्टेज पर नीचे रखे तिरंगे को उठा लिया। इस पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उनकी पीठ थपथपाई और कहा, 'इसे सुरक्षित रखिए।' इस दौरान वहां मौजूद अन्य नेता भी मुस्कुराते नजर आए। व्हाइट हाउस की ओर



से भी इस घटना का वीडियो शेयर किया गया है।

इससे पहले, पीएम मोदी ने मनीला में 11 देशों के समूह आसियान के नेताओं को मंगलवार को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत एक स्वतंत्र, समावेशी और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र में विश्वास करता है। इसका भविष्य प्रतिस्पर्धा से नहीं, बल्कि सहयोग से तय होना चाहिए। मोदी ने यह टिप्पणी हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों को लेकर चिंताओं के बीच की है। उन्होंने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के मद्देनजर इस साझेदारी ने एक नया आयाम हासिल किया है। भारत की एक्ट ईस्ट नीति ने दोनों पक्षों के संबंधों को नई गति दी है।

वहीं, क्वाड देशों के नेताओं के साथ बैठक के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि छठ अब अपने समुद्री गश्ती विमानों के साथ एक सैन्य अभ्यास भी करेगा। उन्होंने कहा कि ताकत के दम पर शांति बनाए रखने के प्रयासों के तहत यह कदम उठाया जा रहा है। ट्रंप ने बताया कि क्वाड देशों की नौसेनाओं ने हाल ही में जापान के पास 30वां मालाबार संयुक्त नौसैनिक अभ्यास किया, जिसमें पनडुब्बी रोधी और सतह पर मौजूद दुश्मन के जहाजों के खिलाफ युद्धाभ्यास किया गया।

सबरीमाला में खुल गए भगवान अयप्पा मंदिर के कपाट, पहले दिन ही पहुंचे 80 हजार लोग

केरलम। केरलम के सबरीमाला भगवान अयप्पा मंदिर के कपाट मंगलवार को खुल गए हैं। कपाट खुलते ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी जा रही है। कपाट खुलने के साथ ही वार्षिक मंडल मकरलिलक्कु तीर्थयात्रा की शुरुआत हो चुकी है। दरअसल मलयालम कैलेंडर के पहले ही महीने वृश्चिकम के पहले दिन मुख्य पुजारी अयप्पा भगवान के मंदिर के द्वार खोलते हैं। इसके बाद से तीर्थयात्रा की शुरुआत हो जाती है।

इससे पहले पूजा की तैयारियों के लिए मंदिर में पुजारियों ने सोमवार शाम को प्रवेश किया था। इस बार नए पुजारी ही व्यवस्था देख रहे हैं। ऐसे में पूर्व पुजारियों



ने उन्हें अपना उत्तारिधिकार सौंपा। पूरे विधि विधान के साथ अभिषेक अनुष्ठान करवाया गया। जानकारी के मुताबिक पहली ही दिन लगभग 66 हजार श्रद्धालुओं ने ऑनलाइन माध्यम से कतार के लिए टिकट ली है। इसके अलावा 14 हजार से ज्यादा लोगों ने खिड़की से बुकिंग करवाई है।

जानकारी के मुताबिक एक दिन में 80 हजार लोग दर्शन कर सकेंगे। वहीं मंदिर में स्थित 18 पवित्र सीढ़ियां हैं। यहां अकसर भीड़ हो जाती है। ऐसे में पुलिस के सामने भीड़ नियंत्रित करने की बड़ी चुनौती है। इस बार हर मिटन में करीब 75 श्रद्धालु इन सीढ़ियों पर चढ़ेंगे। इस बार पंबपा में बुकिंग की सुविधा उपलब्ध नहीं है। यह स्थान नदी के किनारे है और यहां भीड़ बढ़ने का रिस्क बना रहता है।

रलम के मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन ने मंगलवार को सबरीमाला भगवान अयप्पा मंदिर में वार्षिक मंडला तीर्थयात्रा सीजन के शुभारंभ पर अयप्पा भक्तों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि पवित्र मंडला सीजन की शुरुआत के साथ, घरों और तीर्थयात्रा के रास्तों पर भक्ति मंत्र 'स्वामी शरणम अयप्पा' गूंजता है, जो लाखों भक्तों की गहरी आस्था और भक्ति को दिखाता है। तीर्थयात्रियों की मदद के लिए आसपास के पांच रेलवे स्टेशनों पर सहायता केंद्र बनाए गए हैं।

दिल्ली की हवा हुई हल्की साफ, प्रदूषण कम होते ही हटीं ग्रैप-3 की पाबंदियां

नई दिल्ली। दिल्लीवासियों के लिए एक हल्की राहत की खबर है। हवा में प्रदूषण की मात्रा कम होते ही CAQM (वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग) ने ग्रैप तीन की पाबंदियों को हटा लिया है। दरअसल मंगलवार को प्रदूषण का स्तर नवंबर महीने में अब तक का सबसे कम दर्ज किया गया। मंगलवार शाम 4 बजे की रिपोर्ट के अनुसार शहर में AQI (वायु गुणवत्ता सूचकांक) का स्तर 204 दर्ज किया गया। यह अब भी खराब श्रेणी में है लेकिन इस महीने सबसे कम है।

इस बारे में जारी एक सोशल मीडिया पोस्ट में CAQM ने बताया, 'आज AQI का स्तर 204 पर पहुंच गया। ऐसे में रोजाना #AQI में गिरावट का ट्रेंड दिखने के बाद CAQM सब-कमेटी ने GRAP स्टेज III को रद्द करने का फैसला किया है। GRAP स्टेज I और II के तहत सभी एक्शन और 30.10.2026 के ऑर्डर के अनुसार पाबंदियां लागू रहेंगी।

ग्रैप-3 के तहत लगी थीं कौन-



कौन सी पाबंदियां?

* गैर आवश्यक निर्माण और तोड़फोड़ बंद थे।
* कई गैर जरूरी गतिविधियों पर सख्त प्रतिबंध था।
* स्टोन क्रशिंग और खनन गतिविधियां नहीं हो सकती थीं।
* BS-III पेट्रोल और BS-IV डीजल चारपहिया वाहनों पर रोक थी
* पुराने डीजल वाहन की दिल्ली में एंट्री प्रतिबंधित थी।

इसके अलावा दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद और गौतमबुद्ध नगर में पांचवीं क्लास तक के विद्यार्थियों के लिए हाइब्रिड मोड में पढ़ाई अनिवार्य किया गया था। सरकारी और निजी कार्यालयों में 50 प्रतिशत कर्मचारियों को बुलाने और बाकी को घर से काम कराने का फैसला संबंधित राज्य सरकारों और दिल्ली सरकार को दिया गया था।

इससे पहले वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने 6 नवंबर को AQI का स्तर 400 के पार यानी 'गंभीर' श्रेणी में पहुंचने के बाद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों के लिए ग्रैप के तीसरे चरण (GRAP-III) को लागू करने का आदेश दिया था। इससे पहले केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के आंकड़ों के अनुसार मंगलवार सुबह दिल्ली में औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 204 दर्ज किया गया, जो 'खराब' (poor) श्रेणी में आता है। इस दौरान सिरी फोर्ट स्टेशन पर सबसे खराब AQI 341 दर्ज किया गया, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में आता है। इसके बाद कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 338, NSUT जाफरपुर में 336, ITO में 335, तालकटोरा गार्डन में 326, पूसा में 322, बुराड़ी क्रॉसिंग में 318, चांदनी चौक में 316, NIH नरेला में 313, नॉर्थ कैंपस में 310 और DTU में 303 AQI दर्ज किया गया।

नेतन्याहू की बढ़ी मुश्किलें, अरब नेता अहमद तिबी बने संसद के डिप्टी स्पीकर

नेतन्याहू और उनके सहयोगियों के खिलाफ आपराधिक जांच की मांग, सियासत तेज

येरुशलम। इज़राइल में कार्यवाहक प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी खेमे की मुश्किलें बढ़ गई हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इज़राइली संसद के एक अरब सदस्य और जॉइंट लिस्ट गठबंधन के अध्यक्ष अहमद तिबी को संसद का डिप्टी स्पीकर चुन लिया गया। नेसेट के सदस्यों द्वारा चुने जाने के बाद अहमद तिबी ने इसे 27 अक्टूबर के चुनाव में अपने गठबंधन की उपलब्धि बताया। तिबी ने आरोप लगाया कि बेंजामिन नेतन्याहू की लिकुड पार्टी और राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन ग्विर ने उनके चुनाव को रोकने की पूरी कोशिशें की थीं, लेकिन तमाम भड़काऊ बयानों के बावजूद वे नाकाम रहे।

उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि अब संसद की सभी समितियों में जॉइंट लिस्ट का प्रतिनिधित्व होगा। पिछले महीने हुए आम चुनाव में इज़राइल के फिलिस्तीनी नागरिकों का प्रतिनिधित्व करने वाले दो प्रमुख गुटों जॉइंट लिस्ट और यूनाइटेड अरब लिस्ट ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए 120 सदस्य संसद में कुल 19 सीटों पर जीत दर्ज की है। राष्ट्रपति इसाक हरज़ोग ने इस महीने अगली सरकार बनाने की जिम्मेदारी सौंपी जाने के बाद इन अरब दलों ने विपक्षी नेता गादी आइजनकोट को अपना समर्थन दिया है। रिपोर्ट में अहमद तिबी के मुताबिक अब इन दलों का मुख्य ध्यान अपनी बढ़ी हुई संसदीय ताकत का इस्तेमाल कर अपने समुदाय के साथ होने वाले भेदभाव और अन्य बुनियादी मुद्दों को हल करने पर है। डिप्टी स्पीकर चुने जाने के बाद तिबी ने बेंजामिन नेतन्याहू और उनके सहयोगियों के खिलाफ आपराधिक जांच की मांग करके सियासी हलचल और तेज़ कर दी है। इज़राइल के चैनल रिपोर्ट का हवाला देते हुए तिबी ने नेतन्याहू और उनके करीबियों पर माफिया शैली में काम करने का आरोप लगाया।

जमीन पर पड़ा तिरंगा देखकर झुके पीएम मोदी, जेब में रखा राष्ट्रीय ध्वज; ट्रंप बोले- इसे संभालकर रखो

मनीला। फिलीपींस की राजधानी मनीला में आयोजित क्वाड शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक खास अंदाज चर्चा का विषय बन गया। चार देशों के नेताओं के फोटो सेशन के दौरान पीएम मोदी की नजर जमीन पर रखे भारतीय तिरंगे के निशान पर पड़ी। उन्होंने तुरंत झुककर उसे उठाया और सम्मान के साथ अपनी जेब में रख लिया। प्रधानमंत्री के इस कदम को देखकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उनकी पीठ थपथपाई और कहा, इसे संभालकर रखो।

दरअसल, क्वाड देशों के नेताओं की संयुक्त तस्वीर के लिए मंच पर स्थान निर्धारित करने के उद्देश्य से फर्श पर छोटे-छोटे झंडे रखे गए थे। इनमें भारतीय तिरंगे का निशान भी शामिल था। जैसे ही पीएम मोदी की नजर इस पर पड़ी, उन्होंने उसे जमीन पर छोड़ने के बजाय उठा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह राष्ट्रीय ध्वज को जमीन पर नहीं छोड़ सकते। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। फोटो सेशन में पीएम मोदी के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची मौजूद थीं। इससे पहले सम्मेलन के दौरान ट्रंप ने पीएम मोदी की तारीफ करते हुए उन्हें बहुत सख्त इंसान बताया। उन्होंने कहा कि मोदी उनके मित्र हैं और दोनों के बीच अच्छे संबंध हैं। ट्रंप ने कहा, हम अक्सर बात करते हैं और मेरा फोन हमेशा उनके लिए खुला है। वहीं, क्वाड बैठक में पीएम मोदी ने इस समूह को रचनात्मक और भरोसेमंद साझेदारी बताया।

'कभी नहीं मिलेगी कृपा', छठ पूजा का जिक्र कर भड़के CJP से निकाले गए विजेता दहिया

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी से निकाले गए विजेता दहिया एकबार फिर एक टिप्पणी को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने अपने एक वीडियो क्लिप में छठ पूजा और कृपा का जिक्र करते हुए कुछ तौरतरीकों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने एक वीडियो संदेश जारी किया है। इसमें एक महिला नाले में छठ पूजा के लिए खड़ी नजर आ रही है। एक अन्य सीन में एक महीना यमुना के झाग वाले पानी में खड़ी दिख रही है। इस पर विजेता दहिया जोरदार हमला बोलते हुए कह रहे हैं कि सब कृपा के लिए हो रहा है लेकिन कृपा नहीं मिलेगी। विजेता



दहिया ने कहा कि हमारे रीति-रिवाज के पीछे साइंस है, साइंस है कि कोई महिला गटर में खड़े होकर पूजा कर रही है, कोई जहरीले झाग में पूजा कर रही है। यह सब कृपा की झूठी उम्मीद में हो रहा है। यह सब कृपा के लिए चल रहा है। हजारों तरीके के रीति-रिवाज चल रहे हैं। पता नहीं क्या-क्या चल रहा है। विजेता दहिया ने आगे कहा कि हर रोज में इंस्टाग्राम पर ऐसे वीडियो देखता हूं जिससे दिमाग खराब हो जाता है। कहीं पर कोई बाबा ऐसे फेंक रहा है और लोग कुत्ते की तरह झपट पड़ रहे क्यों? ऐसा इसलिए क्योंकि बाबा के हाथ से आया है, वह ले लूंगा तो कृपा मिल जाएगी। कोई बाबा के चरणों का पानी पी रहा है तो कोई अन्नकूट के ढेर पर झपट पड़ रहा है। विजेता दहिया ने कहा- बस कृपा... कृपा... कृपा लोग करें जा रहे हैं सालों से, मिल गई कृपा? कृपा कभी मिलेगी भी नहीं। कृपा के भिखारियों अपनी आंखें खोलो और ये हिन्दू-मुस्लिम तो मत की करना... हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई कोई भी हो? इन सभी के रीति रिवाजों और परंपराओं का कोई सेंस नहीं है। विजेता दहिया ने सभी रीति रिवाजों पर तंज कसते हुए कहा कि कोई मोमबत्ती जला रहा है तो कोई ताबीज पहन रहा है और कोई चादर चढ़ा रहा है। कुछ भी कर लो... लेकिन कोई कृपा नहीं मिलनी है। या तो नास्तिक बन जाओ या तो आस्तिक हो तो भगवान से सीधे प्रार्थना करो। कुछ मिलना होगा तो मिलेगा अन्यथा अपने पैरों पर खड़े हो। विजेता दहिया ने मीडिया पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जिनके हाथों में मीडिया है वे लोग कभी भी गरीब लोगों तक यह आधुनिक संवाद और विचार नहीं पहुंचने देंगे। इन लोगों की फिल्में और टीवी सभी इसी को बढ़ावा देते हैं ताकि इस गरीब औरत (गटर में पूजा कर रही वीडियो में दिखी महिला) को समझ में ना आ जाए कि उसके साथ हो रहे अन्याय का कारण क्या है।

संपादकीय

जुगाड़ और ट्रेडिंग से नहीं, रिसर्च और नवाचार से भारत बनेगा आत्मनिर्भर

भारत के प्रमुख अर्थशास्त्री और रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने भारतीय उद्योग जगत की कार्यप्रणाली पर तीखी टिप्पणी करते हुए, देश की आर्थिक विकास नीति के सामने एक बड़ा सवाल खड़ा किया है। उनका कहना है, भारतीय कंपनियां रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर पर्याप्त ध्यान नहीं देतीं हैं। वे नए आविष्कार और तकनीक विकसित करने के बजाय जुगाड़, ट्रेडिंग और दूसरे देशों की तकनीक के सहारे कारोबार करना अधिक पसंद करती हैं। उनकी यह टिप्पणी भारतीय अर्थव्यवस्था की उन कमजोरियों को उजागर करती है, जिन पर लंबे समय से गंभीरता से विचार करने की जरूरत थी। विचार तो किया गया लेकिन उन्हें अमली जामा नहीं पहनाया गया। 1980 के दशक तक भारत के पास संसाधनों और विदेशी मुद्रा की कमी थी। उस समय जुगाड़ भारतीय उद्योगों की मजबूरी थी। लेकिन 1991 के आर्थिक उदारीकरण के बाद देश के सामने वैश्विक बाजार के दरवाजे खुल गए। पूंजी, तकनीक और व्यापार के अवसर बढ़े। इसके बावजूद भारतीय उद्योगपतियों और सरकार की सोच में अपेक्षित बदलाव नहीं आया। चीन ने इसी दौर में अनुसंधान, तकनीकी विकास, विनिर्माण और निर्यात को अपनी आर्थिक नीति का आधार बनाया, वहीं भारत विदेशी उत्पादों और तकनीकों का बाजार बनकर रह गया। भारत में बाजारबाद और भौतिक सुख-सुविधाओं की नई बयार बहने लगी। इसका असर अमीरों और गरीबों पर समान रूप से पड़ा। भारत इसी में फंसकर अपने मूल उद्देश्य को भूल गया। सूचना प्रौद्योगिकी इसका बड़ा उदाहरण है। भारत में भारतीय भाषाओं के लिए तकनीक विकसित करने की दिशा में सी-डैक जैसे संस्थानों ने महत्वपूर्ण काम किया। बाद के वर्षों में माइक्रोसॉफ्ट, गूगल और दूसरी विदेशी कंपनियों पर हमारी निर्भरता बढ़ती चली गई। हमने अपनी जरूरतों के अनुरूप स्वतंत्र तकनीकी विकास और अनुसंधान को प्राथमिकता नहीं दी। उल्टे भारतीय कंपनियों को प्राथमिकता देने के स्थान पर उन्हें नजरअंदाज किया। दौड़ में शामिल होने का मौका नहीं दिया। नतीजा यह हुआ कि डिजिटल अर्थव्यवस्था में अपार संभावनाएं होने के बावजूद भारत अपनी मौलिक तकनीक और वैश्विक स्तर के उत्पाद विकसित करने में अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर सका। माइक्रोसॉफ्ट के आने के बाद भारत के हजारों सॉफ्टवेयर इंजीनियर बेरोजगार हो गए, जो कंपनियाँ थी, वह बंद हो गई। सॉफ्टवेयर इंजीनियर विदेशों में चले गए।

ऑटोमोबाइल क्षेत्र में भी यही स्थिति दिखाई देती है। मारुति का उदाहरण सामने है, जिसका आधार जापानी कंपनी सुजुकी की तकनीक और साझेदारी रही। भारतीय कंपनियां घरेलू बाजार में कारोबार बढ़ाती रहीं, लेकिन अपनी तकनीक और ब्रांड के दम पर वैश्विक बाजार में बड़ी पहचान बनाने के प्रयास सीमित रहे। आज भी भारत में बनी कार विदेश में सुजुकी के नाम से ही बेची जाती है, उसकी पहचान आज भी जापानी है। ऊंचे आयात शुल्क और संरक्षणवादी नीतियों ने कई बार प्रतिस्पर्धा को भी सीमित किया। परिणामस्वरूप कंपनियों को नई तकनीक विकसित करने का दबाव नहीं बना सरकार ही उनका वित्त पोषण करती रही। भारत के निर्यात आंकड़ों को भी इसी दृष्टि से समझने की जरूरत है। कच्चा तेल आयात करके रिफाइन करना और फिर पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात करना, व्यापार का महत्वपूर्ण हिस्सा है, इसे मौलिक तकनीकी क्षमता और विनिर्माण की सफलता का पूरा प्रमाण नहीं माना जा सकता है। भारत में कच्चे तेल उत्पादन और वैकल्पिक ऊर्जा के लिए कोई प्रयास नहीं किए गए।

आओ प्रकृति के साथी बनें, मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें

किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर आज हर देश पर्यावरण समस्याओं का सामना कर रहा है

जिसका समाधान खोजने उसपर अमल करने के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सभी देश एकत्रित होकर पर्यावरण की सुरक्षा के मुद्दों पर अनेक उपायों की चर्चा कर उसके क्रियान्वयन करने में लगे हुए हैं जिसमें पेरिस समझौता सहित अनेक ऐसे समझौते शामिल हैं जो मानवीय जीवन को पर्यावरण के खतरों से बचाने के लिए मील का पत्थर साबित होंगे।

साथियों बात अगर हम भारत की करें तो भारत न केवल हर अन्तर्राष्ट्रीय मंचों से पर्यावरण की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान और सहयोग प्रदान कर रहा है बल्कि घरेलू स्तरपर भी अनेक लक्ष्यों को भी अपने टारगेट समय से पूर्व पूर्ण करने की ओर अग्रसर है। राष्ट्रीय स्तरपर पर्यावरण की सुरक्षा के लिए अनेक सामाजिक, सहकारी, सरकारी, निजी संस्थाएं कार्य कर रही है परंतु अगर वास्तव में हमें पर्यावरण को सुरक्षित करना है तो हर नागरिक को इस पर्यावरण सुरक्षा संबंधी यज्ञ में अपने सहयोग रूपी आहुति देनी होगी और अभियान चलाकर, आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें, का नारा देना होगा! मानव को प्रकृति का साथी बनना होगा तथा अनुकूल मानवीय सभ्यता पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर कर खुशहाल समृद्धि टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी ऐसी सोच रखनी होगी। साथियों बात अगर हम माननीय केंद्रीय रक्षामंत्री द्वारा कुछ समय पूर्व एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो उन्होंने भी, विज्ञान के क्षेत्र में नई प्रौद्योगिकीयों को खोजने तथा ऐसे नवोन्मेषण करने की अपील की जो पर्यावरण के अनूकूल मूल्यों को बनाये रखेंगे। उन्होंने कहा, हमें प्रकृति का साथी बन जाना चाहिए तथा जीवों के साथ साथ प्रकृति के निर्जीव तत्वों के प्रति भी श्रद्धा और सम्मान की भावना रखनी चाहिए। मुझे पूरा विश्वास है कि धीरे धीरे मानव सभ्यता हमारे समय की पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर करेगी तथा हम सभी के लिए एक खुशहाल, समृद्ध, न्यायसंगत तथा टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी। उन्होंने पर्यावरण के क्षरण पर चिंता जताई और कहा कि पृथ्वी के इकोसिस्टम का निर्माण इस तरह से किया गया है कि किसी एक विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र में प्रभाव केवल उसी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह पूरे विश्व को सन्निहित कर लेता है।उन्होंने कहा उदाहरण के लिए हमारे सामने कार्बन उत्सर्जन का मामला है। भले ही यह एक देश में हो रहा हो, निश्चित रूप से यह अन्य सभी देशों को प्रभावित कर रहा है। यही कारण है कि वैश्विक पर्यावरण सुरक्षा के संबंध में, सभी शिखर सम्मेलन, सम्मेलन, संधियां तथा समझौते, चाहे वह रियो समिट हो या डेजर्टिफिक्केशन से मुकाबला करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन, जलवायु परिवर्तन कन्वेंशन, क्योटो प्रोटोकॉल या पेरिस सम्मेलन, वे सभी समान रूप से एक सुर में कार्य करने के लिए विश्व के सभी देशों का मार्गदर्शन करते हैं। एक जिम्मेदार राष्ट्र के रूप में, भारत ने अपनी परंपरा और संस्कृति से निर्देशित होकर निरंतर मृदा संरक्षण क लिए कार्य किया है। केवल मिट्टी पर ध्यान केंद्रित करने के जरिये मृदा संरक्षण नहीं किया जा सकता। हमने इससे जुड़े सभी घटकों जैसे वनीकरण, वन्य जीवन, आर्द्र भूमि आदि को संरक्षित करने और बढ़ाने का कार्य किया है। केवल सामूहिक प्रयासों से ही सामूहिक समस्याओं का निदान संभव होगा। इसलिए, यह आवश्यक है कि हम सभी मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करने का प्रयास करें और एक साथ मिल कर एक बेहतर विश्व की ओर बढ़ेंउन्होंने मिट्टी बचाओ अभियान को उम्मीद की किरण बताया क्योंकि इससे यह विश्वास पैदा होता है कि इस अभियान के माध्यम से विश्व भर के लोग आने वाले समय में मृदा के स्वास्थ्य को बनाये रखने में योगदान देंगे।

आस्था के नाम पर बलि और समाज का सोया विवेक

कुमार कृष्णन

आठ साल की एक बच्ची की हत्या किस धर्म में पुण्य हो सकती है? किस पूजा में एक मासूम की जिंदगी चढ़ावे की वस्तु बन सकती है? और कैसी आध्यात्मिक शक्ति है, जिसे पाने के लिए किसी बच्चे का गला घोंटना जरूरी हो जाए? झारखंड के चतरा जिले से सामने आई यह घटना केवल एक आपराधिक वारदात नहीं है। यह हमारे समय के उस सामाजिक अंधकार का आईना है, जिसमें मनुष्य अपने विवेक को छोड़कर अंधविश्वास, भय और कथित चमत्कारों के हवाले होता जा रहा है।

काली पूजा और अमावस्या की रात कथित नरबलि के नाम पर आठ साल की बच्ची शिवानी की हत्या कर दी गई। पुलिस के मुताबिक, इस मामले में बच्ची की मौसी सोहरी देवी, उसके जेठ बिंदु भारती और उनके बेटे जुगेश भारती को गिरफ्तार किया गया है। तीनों को अदालत में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि बच्ची आठ नवंबर को लापता हुई थी। काफी तलाश के बाद उसकी मां ने 11 नवंबर को प्रतापपुर थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। 13 नवंबर को घर से करीब 150 मीटर दूर धान के खेत के पास उसका शव बरामद हुआ।

पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी के अनुसार, जांच में हत्या के पीछे अंधविश्वास और कथित तांत्रिक अनुष्ठान का मामला सामने आया है। पुलिस का आरोप है कि आध्यात्मिक शक्तियां हासिल करने के उद्देश्य से अमावस्या की रात बच्ची की गला घोंटकर हत्या की गई और शव को खेत में फेंक दिया गया। आरोपियों के घर से खून से सने कृषि उपकरण, टूटी चूड़ियां, बच्ची के कपड़े, पलाश के पत्ते और कथित अनुष्ठान में इस्तेमाल होने वाली सामग्री बरामद होने की जानकारी भी पुलिस ने दी है।

इस मामले में एक और महत्वपूर्ण पहलू सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, बच्ची के माता-पिता और आरोपियों के बीच पहले से विवाद चल रहा था। यानी इस जघन्य अपराध की जांच में कथित तांत्रिक अंधविश्वास के साथ पारिवारिक वैमनस्य की भूमिका भी देखी जा रही है। पुलिस ने यह आशंका भी जताई है कि अपराध को यौन हिंसा का रूप देने के लिए बच्ची के शरीर के साथ छेड़छाड़ की गई। बिहार के एक मौलवी की भूमिका की भी जांच की जा रही है, जिसके बारे में पुलिस का दावा है कि उसने आरोपियों को कथित तांत्रिक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया था। इन सभी आरोपों और दावों की पुष्टि न्यायिक प्रक्रिया में होनी बाकी है। किसी व्यक्ति की पहचान या धार्मिक संबद्धता को अपराध का प्रमाण नहीं माना जा सकता।

इस घटना में सबसे अधिक पीड़ा उस रिश्ते को लेकर होती है, जिसे हम सुरक्षा और भरोसे का दूसरा नाम मानते हैं। बच्ची के लिए उसके अपने रिश्तेदार ही कथित तौर पर मौत का कारण बन गए। घर से कुछ कदम की दूरी पर उसका शव मिला। जिस परिवार में उसे प्यार और सुरक्षा मिलनी चाहिए थी, उसी परिवार के कुछ लोगों पर उसकी हत्या का आरोप है। वह बच्ची शायद यह कल्पना भी नहीं कर सकती थी कि जिन लोगों के बीच वह रह रही है, उनके मन में उसके प्रति ऐसी भयावह साजिश पल रही है।

हम अक्सर कहते हैं कि बच्चे भगवान का रूप होते हैं। लेकिन यह कैसी विडंबना है कि भगवान के नाम पर पूजा करने वाला समाज एक बच्ची की जिंदगी की रक्षा नहीं कर सका? क्या हमारी धार्मिकता इतनी कमजोर हो गई है कि उसे किसी मासूम के खून से शक्ति प्राप्त करने की कल्पना करनी पड़ती है? यदि किसी कथित साधना का आधार हिंसा है और किसी आध्यात्मिक उपलब्धि की कीमत किसी निर्दोष की जिंदगी है, तो ऐसी साधना का धर्म और मनुष्यता से कोई संबंध नहीं हो सकता।

काली पूजा शक्ति की आराधना है। मां काली अन्याय, अहंकार और बुराई के विनाश की प्रतीक हैं। उनकी उपासना में निर्भयता और प्रतिरोध का भाव है। ऐसी आराधना के नाम पर किसी बच्ची की हत्या करना धर्म की भावना को उलट देना है। धर्म मनुष्य को करुणा सिखाता है, क्रूरता नहीं। पूजा मनुष्य के भीतर संवेदना जगाती है, किसी की हत्या करने का अधिकार नहीं देती। आस्था और अंधविश्वास के बीच यही बुनियादी फर्क है, जिसे समझना आज पहले से कहीं अधिक जरूरी हो गया है।

लेकिन इस घटना को केवल तीन आरोपियों की विकृत मानसिकता कहकर छोड़ देना भी आसान रास्ता होगा। सवाल यह है कि ऐसी मानसिकता पैदा कहां होती है? कौन है जो लोगों को कथित चमत्कारों, तंत्र-मंत्र और अलौकिक शक्तियों के नाम पर भयभीत करता है? क्यों समाज का एक हिस्सा आज भी यह मानने को तैयार हो जाता है कि किसी की बलि देकर धन, शक्ति या सिद्धि हासिल की जा सकती है? यह केवल व्यक्तिगत अज्ञान का सवाल नहीं है। इसके पीछे सामाजिक असुरक्षा, अशिक्षा, भय, आर्थिक संकट, पारिवारिक तनाव और वैज्ञानिक चेतना की कमी जैसे अनेक कारण काम करते हैं।

यह भी समझना होगा कि अंधविश्वास का कारोबार केवल गांवों और जंगलों तक सीमित नहीं है। यह शहरों में भी है, शिक्षित परिवारों में भी है और आधुनिक साधनों का इस्तेमाल करने वाले लोगों के बीच भी है। मोबाइल और इंटरनेट का उपयोग करने वाला व्यक्ति भी चमत्कार के दावों पर विश्वास कर सकता है। बड़ी-बड़ी डिग्रियां हासिल कर लेने से विवेक अपने आप पैदा नहीं होता। विवेक पैदा होता है सवाल पूछने से, तर्क करने से और किसी भी दावे को प्रमाण की कसौटी पर परखने से।

हमारे समाज में आस्था का गहरा सांस्कृतिक स्थान है। लोकजीवन में पूजा-पाठ, व्रत, पर्व और परंपराएं पीढ़ियों से चली आ रही हैं। इन्हें अंधविश्वास कहकर खारिज करना न तो उचित है और न ही समाधान। समस्या तब शुरू होती है, जब आस्था के नाम पर किसी व्यक्ति का शोषण किया जाता है, किसी महिला को डायन बताकर प्रताड़ित किया जाता है, किसी बीमार को इलाज से दूर रखा जाता है या किसी बच्चे को कथित अनुष्ठान का साधन बना दिया जाता है। तब समाज को चुप रहने का अधिकार नहीं है।

झारखंड की सामाजिक और सांस्कृतिक विरासत को भी इस संदर्भ में समझना जरूरी है। यहां के आदिवासी समुदायों का प्रकृति के साथ गहरा रिश्ता रहा है। उनके पारंपरिक ज्ञान, सामुदायिक जीवन और सांस्कृतिक विश्वासों में जीवन के प्रति सम्मान का भाव मौजूद है। इन परंपराओं को अंधविश्वास या हिंसक तांत्रिक गतिविधियों के साथ जोड़कर देखना गलत होगा। सांस्कृतिक विविधता का सम्मान करते हुए उन अपराधी प्रवृत्तियों का विरोध करना जरूरी है, जो धर्म, परंपरा या कथित तांत्रिक विद्या की आड़ में हिंसा को बढ़ावा देती हैं।

इस घटना का एक गंभीर पहलू यह भी है कि बच्ची के माता-पिता और आरोपियों के बीच पहले से विवाद होने की बात सामने आई है। यदि पारिवारिक दुश्मनी और कथित तांत्रिक अनुष्ठान दोनों ने इस अपराध की पृष्ठभूमि तैयार की है, तो जांच को इन सभी पहलुओं की तह तक जाना होगा।

केवल कथित अनुष्ठान की कहानी तक सीमित रहना पर्याप्त नहीं होगा। पुलिस को यह भी पता लगाना चाहिए कि अपराध की योजना कैसे बनी, इसमें किसकी क्या भूमिका थी और क्या इसके पीछे कोई अन्य व्यक्ति या नेटवर्क भी सक्रिय था। बिहार के जिस व्यक्ति की भूमिका की जांच की बात कही गई है, उसके संबंध में भी साक्ष्यों के आधार पर निष्कर्ष निकाला जाना चाहिए।

33 वां एपीईसी आर्थिक नेताओं का शिखर सम्मेलन शेनझेन चीन 18-19 नवंबर 2026 -एशिया-प्रशांत क्षेत्र की 21 प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

क़्या ट्रंप-शी-पुतिन की पहली ऐतिहासिक त्रिशक्ति बैठक 19 नवंबर से बदलेगा विश्व व्यवस्था का गणित?परमाणु हथियारों पर महाडील की आहट या वैश्विक सत्ता का नया गठबंधन?अमेरिका का 14 नवंबर विमानन संकट! क़्या विश्व नए भू- राजनीतिक तूफान की दहलीज पर? - समग्र व्यापक अंतरराष्ट्रीय महा-विश्लेषण

क़्या अमेरिका,चीन और रूस मिलकर लिखेंगे दुनियाँ की नई तकदीर? ट्रंप-शी-पुतिन की ऐतिहासिक मुलाकात से परमाणु राजनीति में भूचाल के संकेत! भारत की विदेश नीति और आर्थिक सुरक्षा के सामने सबसे बड़ी चुनौती?

परमाणु महाशक्तियों का महागठबंधन या कूटनीति का नया दांव? ट्रंप-पुतिन-शी की 19 नवंबर को शेनझेन पहली त्रिपक्षीय ऐतिहासिक बैठक से दुनियाँ में शक्ति संतुलन बदलने की संभावना !भारत किसके साथ, किससे कितना दूर? -वैश्विक राजनीति का पर्दाफाश?

वैश्विक स्तरपर वर्तमान डिजिटल कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तीव्र भू- राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के दौर में दुनियाँ एक ऐसे निर्णायक मोड़ पर खड़ी है,जहां एक ओर तकनीकी व्यवस्थाओं की छोटी-सी चूक वैश्विक परिवहन और अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रही है,वहीं दूसरी ओर विश्व की तीन प्रमुख शक्तियों के राष्ट्राध्यक्षों की प्रस्तावित ऐतिहासिक मुलाकात अंतरराष्ट्रीय कूटनीति का नया अध्याय लिखने की तैयारी कर रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप,चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की 19 नवंबर 2026 को चीन के शेनझेन में प्रस्तावित त्रिपक्षीय बैठक इसी बदलते वैश्विक शक्ति संतुलन का सबसे महत्वपूर्ण घटनाक्रम बन सकती है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि यह केवल तीन राष्ट्राध्यक्षों की मुलाकात नहीं,बल्कि परमाणु हथियार नियंत्रण, ईरान संकट,वैश्विक व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और भविष्य की विश्व व्यवस्था से जुड़े अनेक सवालों का केंद्र है।इस बैठक का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि अमेरिका और रूस के बीच परमाणु हथियार नियंत्रण की अंतिम प्रमुख संधि न्यू स्टार्ट 5 फरवरी 2026 को समाप्त हो चुकी है।ऐसे समय में चीन को भी परमाणु वार्ता के दायरे में लाने की अमेरिकी कोशिश अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।

साथियों बात अगर हम इस ऐतिहासिक मुलाकात की पृष्ठभूमि को समझने की करें तो चीन के टेक हब माने जाने वाले शहर शेनझेन में आयोजित 21 आर्थिक महाशक्तियों जिसमें भारत शामिल नहीं है,33वां एपीईसी आर्थिक नेताओं का शिखर सम्मेलन आयोजित हो रहा है।जिसमें चीन के लिए वैश्विक नेतृत्व दिखाने का अवसर एपीईसी अर्थात एशिया- प्रशांत आर्थिक सहयोग वर्ष 1989 में स्थापित एक अंतर- सरकारी आर्थिक मंच है, जिसमें 21 सदस्य अर्थव्यवस्थाएं शामिल हैं।इसका उद्देश्य क्षेत्रीय व्यापार, निवेश,आर्थिक एकीकरण और तकनीकी सहयोग को प्रोत्साहित करना है।इसकी एक विशेषता यह है कि इसके निर्णय बाध्यकारी संधियों के बजाय स्वैच्छिक प्रतिबद्धताओं और आपसी सहमति पर आधारित होते हैं। चीन के शेनझेन में 18 और 19 नवंबर 2026 को मुख्य शिखर सम्मेलन आयोजित होगा,जबकि 17 और 18 नवंबर को एपीईसी सीईओ सम्मेलन होगा। इस वर्ष का विषय एशिया-प्रशांत समुदाय की समृद्धि और साझाविकास पर केंद्रित है। शेनझेन चीन का आधुनिक प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स, नवाचार और औद्योगिक विकास का प्रमुख केंद्र है। इस आयोजन के माध्यम से चीन न केवल अपनी आर्थिक प्रगति बल्कि वैश्विक व्यापार और कूटनीति में अपनी बढ़ती भूमिका भी प्रदर्शित करना चाहता है। इस आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि एपीईसी का मूल उद्देश्य आर्थिक सहयोग है,लेकिन इसके इतर होने वाली तीन महाशक्तियों की बैठक पूरी दुनिया का ध्यान रणनीतिक राजनीति की ओर खींच सकती है।यदि ट्रंप,शी व पुतिन एक साथ बैठकर परमाणु हथियार नियंत्रण, ईरान और वैश्विक सुरक्षा पर चर्चा करते हैं, तो इसका प्रतीकात्मक संदेश अत्यंतव्यापक होगा।विश्लेषण की दृष्टि से इसे वैश्विक शक्ति- संतुलन में तीन प्रमुख केंद्रों के बीच संभावित समन्वय की शुरुआत माना जा सकता है। हालांकि, इसे अभी से जी-3 जैसी औपचारिक व्यवस्था या विश्व संचालन के नए गठबंधन का नाम देना जल्दबाजी होगी। तीनों देशों के बीच व्यापारिक प्रतिस्पर्धा, क्षेत्रीय विवाद, प्रतिबंध, सैन्य रणनीतियां और राष्ट्रीय हितों के अंतर काफी गहरे हैं। फिर भी ऐसी बैठक यह संकेत अवश्य दे सकती है कि वैश्विक समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिद्वंद्वी महाशक्तियां भी प्रत्यक्ष संवाद की आवश्यकता स्वीकार कर रही हैं।

साथियों बात अगर हम शेनझेन बैठक तीन महाशक्तियां और बदलती विश्व व्यवस्था को समझनेकी करें तो व्हाइट हाउस ने 14 नवंबर 2026 को इस प्रस्तावित मुलाकात की घोषणा की है,अमेरिकी प्रशासन के अनुसार यह बैठक 19 नवंबर,गुरुवार को होगी।अमेरिकी सहायक प्रेस सचिव ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि ट्रंप चीन यात्रा के दौरान पहले शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बातचीत और कार्यकारी दोपहर भोज करेंगे तथा उसके बाद पुतिन और शी के साथ त्रिपक्षीय चर्चा करेंगे। हालांकि यह महत्वपूर्ण तथ्य भी ध्यान देने योग्य है कि अभी इस बैठक की घोषणा अमेरिकी पक्ष की ओर से हुई है और चीन तथा रूस की ओर से इसकी स्वतंत्र आधिकारिक पुष्टि सामने नहीं आई है।अमेरिकी अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया है कि इस पहली बातचीत से किसी तत्काल समझौते की अपेक्षा नहीं रखी जानी चाहिए। इसलिए इसे किसी अंतिम समझौते के बजाय भविष्य की बातचीत का प्रारंभिक मंच समझना अधिक उचित होगा। इस बैठक का पहला और सबसे संवेदनशील मुद्दा परमाणु हथियारों का नियंत्रण और निरस्त्रीकरणहै।अमेरिका और रूस के पास दुनिया के सबसे बड़े परमाणु हथियार भंडार हैं, जबकि चीन भी अपनी परमाणु क्षमता का तेजी से विस्तार कर रहा है। अमेरिका और रूस के बीच वर्ष 2010 में हुई न्यू स्टार्ट संधि 5 फरवरी 2026 को समाप्त हो चुकी है। इस संधि ने दोनों देशों के रणनीतिक परमाणु हथियारों पर सत्यापन योग्य सीमाएं निर्धारित की थीं। इसके समाप्त होने के बाद दोनों देशों के परमाणु भंडारों पर पहले जैसी बाध्यकारी संधि-व्यवस्था नहीं रह गई है। ट्रंप चाहते हैं कि भविष्य में चीन को भी शामिल करते हुए एक व्यापक परमाणु नियंत्रण व्यवस्था विकसित की जाए। लेकिन यहां सबसे बड़ी चुनौती यह है कि चीन स्वयं अमेरिका और रूस के बराबर परमाणु क्षमता वाला देश नहीं है और पहले भी त्रिपक्षीय परमाणु वार्ता में शामिल होने को लेकर अनिच्छा दिखाता रहा है। इसलिए तीनों देशों के बीच बातचीत आरंभ होना भी महत्वपूर्ण होगा, लेकिन किसी बाध्यकारी समझौते तक पहुंचना सटीकता से आसान नहीं होगा।

पर्व का एक ही मकसद भाईचारा और ईश्वर पर विश्वास रखना है

संजय गोस्वामी

हर पर्व का एक ही मकसद है आपसी भाईचारा व आपस में प्रेम और ईश्वर पर श्रद्धा रखना लेकिन यह भी देखने को मिलता बढ़िया से बढ़िया करने की होड़ ताकि मेरा बाहबाही हो सके और मेरा पताका लहरे आप भगवान राम से सीखें जिसके राज़ पाठ की तैयारी हो रही है उसे 14 वर्ष के वनवास मिलता है जिसे वो पिताजी ही नहीं माता कैकई का भी आदेश समझते हैं अपनी इक्छा त्याग कर दि और 14 वर्ष के वनवास के लिए चल दिए साथ आई माता सीता और भ्राता लक्ष्मण जिसे उसकी आज्ञा नहीं मिली लेकिन उन्होंने उन्हें दिलासा या रोने से अच्छा साथ चलना तय किया, इससे आपको यह सीख मिलती है कि आप किसी के दुःख में साथ चलकर ही आपकी असली परीक्षा होती है आजकल लोग इतना परेशान क्यों हैं किसी पर आफत आई तो मोबाइल या व्हाट्सप्प से दुःख जाता दिया लेकिन उसके साथ नहीं गए मान लीजिये आपके सामने क़ोई एक्सीडेंट से गिर गया और खून निकल रहा है तो आप उसके परिवार से बात कर और उसे गुस्सा दिलाएंगे इसलिए आपको तुरंत पहले उसे किसी नजदीकी अस्पताल में भर्ती करना चाहिए जो आप करेंगे तो उसका भला होगा, अधिकांश लोगों में याद करें क़ोई आखिर प्रेम एक दूसरे से टूटता क्यों है इसका सबसे बड़ा कारण आशा, आशा के अनुरूप आपका हक़ नहीं मिला तो निराशा हो जाता है मान लीजिये किसी ने पूर्ण कॉन्फिडेंस से कहा आपको लड़का ही होगा और लड़की हुई आप निराश हो गए फिर लोगों का ताना ऐसे लोगों से संपर्क काट दीजिये, भगवान राम का ध्यान कीजिये शांति मिलेगी आखिर अयोध्या में कितने लोग थे क़ोई और क्यों नहीं गया क्योंकि लोगों को मालूम ही नहीं था भगवान विष्णु ने रावण का संहार करने के लिए मनुष्य के रूप में जन्म लिया है जब भी पृथ्वी पर संकट आया तो ब्रम्हा, विष्णु, महेश आपस में एक जुट हुए और भगवान विष्णु बुद्धि में काफी चतुर थे जब रावण के अधर्म से सभी साधु संत, हवन पूजा पाठ नहीं कर पा रहे थे रावण का संहार करने क़े लिए भगवान विष्णु ने ही कहा मैं राजा दशरथ के घर में आम मनुष्य की तरह राम के रूप में जन्म लूंगा और उसका संहार करूँगा क्योंकि रावण मनुष्य को तुकक्ष समझकर उसे इतना कमजोर समझ लिया कि उसका संहार वो कर नहीं सकता है और ये ही भूल उसके मौत का कारण बनेगी और धर्म की स्थापना होंगी अतः उन्होंने ही राम के रूप में जन्म लिया और अंत में उसका संहार किया इसलिए धर्म है तभी किसी को परेशान करने की सज़ा बीमारी के रूप में मिलती है लोग क्या कहेंगे उस बात को ध्यान ना डो आज वर्ष 2026 चल रहा है उससे पहले भी हजारों वर्ष होंगे और आप औसतन 75-85 वर्ष ही ज़ी पाते है इसलिए जब उम्र 50-55 का हो तो भगवान राम को जानने की कोशिश कीजिये क्योंकि उसे पाने के लिए भी आपको 20-25 साल लग जायेंगे और यदि आप उस समय नहीं ध्यान दिए तो अंत में इतना समय नहीं होगा कि राम का भी सही से उच्चारण होगा मरते दम तक आदमी यही सोचता है अभी और जियेंगे लेकिन हकीकत उसकी उलटी है माया से आपके आँखों पर पट्टी बँधी है इसलिए अब तो अपनी आँखे खोलो और अपना भविष्य खुद तय करो

आप सोचते हैं जिस संकट सै शायद आप मैं गुजरा है दूरसा रहता तो भाग जाता, किसी निवास स्थान पर सिलिंडर में आग लगा लोग यही सोचते हैं मुझे फ्रीज़ टी वी, पलंग, आदि भौतिक वस्तु की चिंता है और उसमें आपका विवेक शून्य हो जाता है और बुझाने के चक्कर में आप इतना भी नहीं सोचते आग है इससे खेल नहीं करना चाहिए देवता है प्रणाम कर बाहर निकल जायेंगे तो बच जायेंगे एक उम्र 50-55 क़े बाद तनाव मत लो नार्मल की तरह काम करो क्योंकि आपको आगे दूसरी और समस्या आएगी और वों शायद ज्यादा जरुरी होगा एक आदमी लगभग इसी उम्र में किसी सरकारी कार्यलय में पदोन्नति हेतु 2महीने की छुट्टी ले लिया और मैं पूछा उससे क्या होगा प्रमोशन होगा पैसा बढ़ेगा भाई साहब अब पैसा बढ़ भी गया तो क्या होगा, तुरंत कहा बच्चे के लिए काम आएगा मैंने पूछा आपका बच्चा कितना प्रेम करता है बोला नहीं सब अपने मन का है मैंने बोला भाई तनाव होगा नींद नहीं आएगी और दुनिया इतनी बेबकूफ नहीं है कि आपको आसानी से यह मिल जाएगा अतः भगवान राम का ध्यान करो बच्चों को भी संस्कार डो देखो राम कैसे आपका तकदीर बदल देगा क्योंकि वही एक परमात्मा है जिसने मर्यादा का पालन करना और अन्याय के खिलाफ लड़ेगा डरने नहीं देगाआपकी सबसे बड़ी कमजोरी है डर जो या तो डाकियानुसी सोच के कारण है या फिर गन्दे और घटिया वातावरण के कारण है भगवान इतना देगा कि आप ले नहीं सकोगे वों थोड़ा सा ज्यादा के लिए आपको नाको चना चबाने पर मजबूर कर देगा और यदि 1परसेंट भी चांस नहीं होने का होगा तो आप पर क्या बीतेगी इसलिए आप शांति से सामान्य काम करते हुए लोककल्याण हेतु अपना समय दे अधिकतर समय माता पिताजी की सेवा में लगा दे क्योंकि यही एक सही अवसर है जिसमें आप उनकी सेवा कर रहे होंगे प्रमोशन उस तरह नहीं जब माता का भंडारा लगता है सब माँ का भजन कीर्तन करते हैं जब प्रसाद खाना होता है तो माँ ये नहीं देखती यह खुब भजन किया हैं इसलिए ये ज्यादा खायेगा और जब कुछ भी नहीं बोला वों कुछ नहीं खायेगा अतः वहाँ सच्चा ईश्वर है जो किसी से भेदभाव नहीं करता है और यदि किसी के जिहजूरी से मिल भी गया तो अहसान लेने की क्या जरुरत है आप स्लीपर में बैठते हो तो क़ोई ये नहीं पूछता है की आप स्1 में हो या स्-12 बौगी में या आगे सिट है या पीछे उससे क़ोई फर्क नहीं पड़ता, इसलिए सोच को बदलो समय के साथ चलो और उतना ही करो जितना कर सकते हो दूसरे को भी करने का मौका डो भले ही किसी ने पैर फैलाकर बैठ कर फेल कर दिया क्योंकि वो समय तुम्हारा नहीं था जब समय का पहिया घूमेगा तो उसे भी कभी इसी समस्या से जूझना पड़ेगा जब अस्पताल में अपने जीवन का अंतिम समय नजदीक आएगा इसलिए चिंता अब तुम्हे नहीं अब उसे काटने की जरुरत क्योंकि काल आज ना कल उसके पास आएगा.आखिर रावण क्यों मारा गया क्योंकि दूसरे की बात में आकर अपने विवेक से काम नहीं लिया जो बहन सूर्पनखा ने कहा उसी पर विचार कर अधर्म का सबसे बुरा मार्ग पर चल कर विवेक खो दिया,एक दिन, ऋषि विश्वामित्र दशरथ के पास आते हैं और उनसे कहते हैं कि वे राम को अपने साथ ले जाना चाहते हैं, ताकि एक यज्ञ के दौरान उनकी सुरक्षा की जा सके। राम को 14 वर्ष का वनवास से राजा दशरथ का मन अत्यंत दुखी हो जाता है, वे अपने पुत्र शोक में दुःखी होकर प्राण त्याग देते हैं लेकिन वो राम के साथ लक्ष्मण को भी भेज देते हैं। राम के साथ यात्रा करते हुए, विश्वामित्र उन्हें ताड़का नाम की एक राक्षसी की कहानी सुनाते हैं, जो यात्रियों को खा जाने की धमकी देती है। विश्वामित्र राम को उस राक्षसी का वध करने का निर्देश देते हैं। राम ऐसा ही करते हैं, और देवता विश्वामित्र से कहते हैं कि वे राम को अस्त्र-शस्त्रों का ज्ञान दें। यज्ञ स्थल पर पहुँचने से पहले, विश्वामित्र लड़कों को कई और कहानियाँ सुनाते हैं। जब ऋषि-मुनि यज्ञ शुरू करते हैं, तो राम उन्हें सुरक्



बच्चों के स्कूल से लौटने पर जरूर पूछें ये 5 सवाल,

बढ़ेगा आत्मविश्वास और मजबूत होगा रिश्ता

अक्सर माता-पिता बच्चों से स्कूल से लौटने के बाद सिर्फ एक सवाल पूछते हैं— 'आज स्कूल कैसा था?' और जवाब मिलता है, 'ठीक था।' लेकिन अगर आप अपने बच्चे के मन की बात जानना चाहते हैं, उसका आत्मविश्वास बढ़ाना चाहते हैं और उसके साथ मजबूत भावनात्मक रिश्ता बनाना चाहते हैं, तो बातचीत का तरीका बदलना होगा। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सही सवाल बच्चों को खुलकर अपनी भावनाएं व्यक्त करने, नए अनुभव साझा करने और खुद पर भरोसा बढ़ाने में मदद करते हैं। आइए जानते हैं ऐसे 5 सवाल, जो हर माता-पिता को अपने बच्चे से रोज जरूर पूछने चाहिए।

आज स्कूल में सबसे अच्छी बात क्या हुई?

यह सवाल बच्चे को दिनभर के सकारात्मक अनुभव याद करने का मौका देता है। जब वह खुशी के पल साझा करता है, तो उसका आत्मविश्वास बढ़ता है और वह सकारात्मक सोच विकसित करना सीखता है।

क्या आज कोई ऐसी बात हुई जिसने तुम्हें परेशान किया?

हर दिन बच्चों के लिए एक जैसा नहीं होता। कभी दोस्तों से अनबन, कभी पढ़ाई का दबाव या किसी शिक्षक की डांट उन्हें परेशान कर सकती है। यह सवाल पूछने से बच्चा अपनी भावनाएं खुलकर साझा करता है और माता-पिता समय रहते उसकी परेशानी समझ सकते हैं।

आज तुमने कौन-सी नई चीज सीखी?

यह सवाल बच्चे में सीखने की उत्सुकता बनाए रखता है। जब वह नई जानकारी या कोई नया अनुभव साझा करता है, तो उसे अपनी उपलब्धियों पर गर्व महसूस होता है और सीखने के प्रति उसका आत्मविश्वास बढ़ता है।

आज तुमने किसी की मदद की या किसी ने तुम्हारी मदद की?

यह सवाल बच्चों में दया, सहयोग और संवेदनशीलता की भावना विकसित करता है। इससे वे समझते हैं कि दूसरों की मदद करना और जरूरत पड़ने पर मदद स्वीकार करना भी जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

कल स्कूल में किस बात का सबसे ज्यादा इंतजार है?

यह सवाल बच्चे को आने वाले दिन के लिए उत्साहित करता है। वह अपनी योजनाएं, पसंदीदा क्लास, खेल या दोस्तों से मिलने की खुशी साझा करता है, जिससे उसका नजरिया सकारात्मक बना रहता है।

बच्चों से ये सवाल पूछना क्यों है जरूरी?

बच्चों से सही सवाल पूछना सिर्फ बातचीत का हिस्सा नहीं, बल्कि उनके मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास का भी अहम हिस्सा है। जब माता-पिता रोज कुछ मिनट निकालकर बच्चों की बातें ध्यान से सुनते हैं, तो बच्चे खुद को सुरक्षित, समझा हुआ और महत्वपूर्ण महसूस करते हैं। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और परिवार के साथ उनका भावनात्मक जुड़ाव भी मजबूत होता है।

बच्चों की बात सुनते समय उन्हें बीच में न टोकें, उनकी भावनाओं का सम्मान करें और बिना जज किए उनकी बात पूरी सुनें। कई बार आपका धैर्य और समय ही उनके लिए सबसे बड़ी ताकत बन जाता है।



बच्चा गुस्से में मारता या काटता है, बिना डांटे इन तरीकों से सुधारें उसकी ये आदतें



छोटे बच्चों का गुस्सा कई बार माता-पिता के लिए परेशानी का कारण बन जाता है। कभी मनपसंद खिलौना न मिलने पर बच्चा दूसरे को मारने लगता है, तो कभी अपनी बात मनवाने के लिए काटने या चीजें फेंकने लगता है। ऐसी स्थिति में अक्सर माता-पिता भी अपना आपा खो बैठते हैं और बच्चे को डांटने या सजा देने लगते हैं। लेकिन क्या ऐसा करना वाकई सही है? दरअसल, छोटी उम्र में बच्चों के लिए अपनी भावनाओं को समझना और उन्हें शब्दों में व्यक्त करना आसान नहीं होता। ऐसे में वे कई बार गुस्से, निराशा या अपनी बात समझाने के लिए मारने और काटने जैसे व्यवहार करने लगते हैं। छोटे बच्चों में आत्म-नियंत्रण की क्षमता अभी विकसित हो रही होती है। इसलिए उन्हें डांटने के बजाय प्यार, धैर्य और सही मार्गदर्शन के साथ व्यवहार करना सिखाना जरूरी है। आइए जानते हैं ऐसे 8 तरीके, जिनकी मदद से आप बच्चे की इस आदत को सुधार सकते हैं।

बच्चे के सामने खुद शांत रहें

जब बच्चा गुस्से में मारने या काटने लगे, तो सबसे पहले माता-पिता को खुद शांत रहना चाहिए। अगर आप भी चिल्लाने, मारने या गुस्सा दिखाने लगेंगे, तो बच्चा यही सीख सकता है कि नाराजगी जाहिर करने का तरीका दूसरों को चोट पहुंचाना है। ऐसी स्थिति में बच्चे के पास जाकर शांत लेकिन दृढ़ आवाज में कहें- 'मैं तुम्हें गुस्सा होने से नहीं रोक रहा, लेकिन किसी को मारना या काटना सही नहीं है।' उसे अपनी भावनाएं शब्दों में बताना सिखाएं, जैसे- 'मुझे गुस्सा आ रहा है' या 'मुझे यह पसंद नहीं आया।'

डांटने और धमकी देने से बचें

बच्चे के गलत व्यवहार पर उसे डराना या धमकी देना समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। 'अब चुप हो जाओ, नहीं तो सजा मिलेगी' या 'ऐसा किया तो तुमसे बात नहीं करूंगी' जैसी बातें बच्चे को डरा सकती हैं, लेकिन इससे वह अपनी भावनाओं को संभालना नहीं सीखता। इसके बजाय उसे स्पष्ट रूप से बताएं कि उसका व्यवहार गलत है और अगली बार वह अपनी परेशानी किस तरह जाहिर कर सकता है। ध्यान रखें कि अनुशासन का मतलब बच्चे को डराना नहीं, बल्कि उसे सही और गलत का अंतर समझाना है।

घर के नियम पहले से समझाएं

बच्चों को सही व्यवहार सिखाने के लिए घर में कुछ आसान और स्पष्ट नियम बनाएं। जैसे- किसी को मारना नहीं है, काटना नहीं है, खिलौने छीनने नहीं हैं और अपनी बारी का इंतजार करना है। इन नियमों को केवल गलती होने पर ही न बताएं, बल्कि सामान्य समय में भी बच्चे को समझाते रहें। माता-पिता और परिवार के दूसरे सदस्य भी इन नियमों का पालन करें, ताकि बच्चा सभी को एक जैसा व्यवहार करते देख सके।

अच्छे व्यवहार की तारीफ करना न भूलें

माता-पिता अक्सर बच्चे की गलती पर तुरंत ध्यान देते हैं, लेकिन उसके अच्छे व्यवहार की तारीफ करना भूल जाते हैं। बच्चे को जब भी गुस्सा आने पर मारने के बजाय अपनी बात कहते देखें या किसी के साथ खिलौना शेयर करते हुए देखें, तो उसकी सराहना जरूर करें। आप कह सकते हैं- 'तुमने गुस्सा होने पर भी बहुत अच्छे से अपनी बात बताई।' इस तरह की सकारात्मक प्रतिक्रिया बच्चे को समझाती है कि सही व्यवहार करने पर भी उसे माता-पिता का ध्यान और प्रोत्साहन मिलता है।

बच्चों के झगड़े में सही समय पर दखल दें

जब बच्चे साथ खेलते हैं, तो खिलौनों या अपनी बारी को लेकर उनके बीच छोटी-मोटी बहस होना सामान्य है। ऐसी स्थिति में उन्हें अपनी बात कहने और समस्या सुलझाने का मौका दें। लेकिन अगर बहस मारपीट या काटने तक पहुंच जाए, तो तुरंत बीच में आएं। दोनों बच्चों को अलग करें और पहले यह सुनिश्चित करें कि किसी को चोट तो नहीं लगी है। जब वे शांत हो जाएं, तब उन्हें समझाएं कि नाराजगी होने पर भी किसी को चोट पहुंचाना सही नहीं है। साथ ही, उन्हें बारी-बारी से अपनी बात रखने का मौका दें।

बच्चे को 'ना' कहना और अपनी बात रखना सिखाएं

कई बार बच्चे इसलिए मारने या काटने लगते हैं क्योंकि उन्हें अपनी परेशानी बताने के लिए सही शब्द नहीं मिलते। ऐसे में उन्हें छोटी-छोटी बातें बोलना सिखाएं, जैसे- 'मुझे यह नहीं चाहिए', 'मेरा खिलौना वापस दो' या 'मुझे ऐसा मत करो।' उन्हें यह भी बताएं कि अगर कोई उनकी बात नहीं सुनता या उन्हें परेशान करता है, तो वे वहां से हटकर किसी बड़े की मदद ले सकते हैं। इससे बच्चे धीरे-धीरे अपनी सीमाएं समझना और बिना मारपीट के अपनी बात रखना सीखते हैं।

गुस्से के समय बच्चे का ध्यान दूसरी ओर लगाएं

अगर आपको लगे कि बच्चा गुस्से में आ रहा है या किसी को मारने वाला है, तो समय रहते उसका ध्यान दूसरी गतिविधि की ओर मोड़ सकते हैं। उसे ड्राइंग करने, कहानी सुनने, ब्लॉक्स से खेलने या किसी पसंदीदा गतिविधि में शामिल करें। इससे उसका ध्यान तनाव वाली स्थिति से हट सकता है। हालांकि, केवल ध्यान भटकाना ही काफी नहीं है। बच्चे के शांत होने पर उसे यह समझाना भी जरूरी है कि उसे गुस्सा क्यों आया और अगली बार वह क्या कर सकता है।

धैर्य रखें और अपने नियमों पर कायम रहें

बच्चों का व्यवहार एक दिन में नहीं बदलता। इसलिए माता-पिता को धैर्य रखना चाहिए और हर बार एक जैसा सकारात्मक व्यवहार अपनाना चाहिए। अगर आपने तय किया है कि घर में किसी को मारना या काटना स्वीकार्य नहीं है, तो इस नियम पर कायम रहें। कभी बच्चे की हरकत पर हंसना और कभी उसी बात पर बहुत गुस्सा करना उसे भ्रमित कर सकता है। बच्चे को बार-बार प्यार से समझाएं और सही व्यवहार करने का मौका दें।

कब डॉक्टर या चाइल्ड एक्सपर्ट से सलाह लें?

छोटी उम्र में कभी-कभी मारना या काटना भावनाओं को व्यक्त करने और आत्म-नियंत्रण सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा हो सकता है। लेकिन अगर बच्चा लगातार दूसरों को चोट पहुंचाता है, उसका व्यवहार बहुत ज्यादा आक्रामक हो रहा है, स्कूल या घर में परेशानी बढ़ रही है या माता-पिता की कोशिशों के बावजूद स्थिति में सुधार नहीं हो रहा है, तो बाल रोग विशेषज्ञ से सलाह लेना बेहतर है। डॉक्टर बच्चे की उम्र, विकास और व्यवहार को समझकर सही मार्गदर्शन दे सकते हैं।



पुराने फर्नीचर को दें नई जैसी चमक, जैतून के तेल से करें ये काम

क्या हर बार घर को नया लुक देने के लिए महंगे डेकोर आइटम या नया फर्नीचर खरीदना जरूरी है? बिल्कुल नहीं! सही तरीके से सफाई करके पुराने फर्नीचर को भी बेहतर लुक दिया जा सकता है। जैतून का तेल यानी ऑलिव ऑयल भी कुछ स्थितियों में लकड़ी की सतह पर इस्तेमाल किया जाता है। हालांकि, यह हर तरह की लकड़ी और पॉलिश के लिए उपयुक्त नहीं होता। ऐसे में दिवाली की सफाई के दौरान इसका इस्तेमाल करने से पहले कुछ जरूरी बातें जान लेना बेहतर है।

सबसे पहले फर्नीचर से धूल-मिट्टी हटाएं

पुराने फर्नीचर को साफ करने के लिए सबसे पहले उसकी सतह पर जमा धूल और मिट्टी हटाएं। इसके लिए मुलायम, सूखे माइक्रोफाइबर कपड़े का इस्तेमाल करें। अगर फर्नीचर पर दाग लगे हैं, तो उसकी फिनिश के अनुकूल क्लीनर का उपयोग करें। सफाई के बाद सतह को पूरी तरह सूखने दें। ध्यान रखें कि लकड़ी पर बहुत ज्यादा पानी डालने या गीला कपड़ा लंबे समय तक छोड़ने से नुकसान हो सकता है।

जैतून का तेल लगाने से पहले करें पैच टेस्ट

अगर आप लकड़ी के फर्नीचर पर जैतून का तेल इस्तेमाल करना चाहते हैं, तो पहले किसी छिपे हुए हिस्से पर इसकी बहुत थोड़ी मात्रा लगाकर जांच करें। कुछ समय बाद देखें कि सतह का रंग, चमक या बनावट तो नहीं बदली। अगर सतह चिपचिपी हो रही है या उस पर दाग दिखाई दे रहे हैं, तो इसका इस्तेमाल न करें। खासकर एंटीक, बिना पॉलिश वाली या महंगी लकड़ी पर प्रयोग करने से पहले विशेषज्ञ की सलाह लेना बेहतर है।

मुलायम कपड़े से करें फर्नीचर की सफाई



पुराने सोफे, लकड़ी की टेबल और अलमारी को बेहतर लुक देने के लिए नियमित सफाई है, तो उसकी बहुत थोड़ी मात्रा मुलायम कपड़े पर लेकर पहले छिपे हुए हिस्से पर जांच करें। तेल सीधे फर्नीचर पर न डालें। सतह पर चिपचिपापन या रंग में बदलाव दिखने पर इसे इस्तेमाल न करें। सामान्य देखभाल के लिए फर्नीचर की फिनिश के अनुकूल पॉलिश या केयर प्रोडक्ट अधिक उपयुक्त विकल्प हो सकता है।

कैसे करें जैतून के तेल का इस्तेमाल?

जैतून का तेल हर तरह के लकड़ी के फर्नीचर को चमकाने का भरोसेमंद विकल्प नहीं है। कुछ सतहों पर यह चिकनाई छोड़ सकता है और समय के साथ धूल को आकर्षित कर सकता है। इसलिए इसका इस्तेमाल करने से पहले फर्नीचर बनाने वाली कंपनी के निर्देश जरूर देखें। अगर किसी खास लकड़ी की फिनिश पर तेल लगाने की अनुमति सबसे जरूरी है। मुलायम कपड़े से धूल हटाएं और जरूरत पड़ने पर लकड़ी की फिनिश के अनुसार सही क्लीनर का इस्तेमाल करें। इसके बाद सतह को साफ और सूखे कपड़े से पोंछ लें। खुरदरे स्क्रबर, तेज केमिकल और जरूरत से ज्यादा पॉलिश का इस्तेमाल करने से बचें, क्योंकि इससे फर्नीचर की ऊपरी परत खराब हो सकती है।

लकड़ी के फर्नीचर की चमक बनाए रखने के आसान टिप्स

नियमित सफाई करें: रोजाना या जरूरत के अनुसार सूखे माइक्रोफाइबर कपड़े से धूल हटाएं।

सीधी धूप से बचाएं: लगातार तेज धूप पड़ने से लकड़ी का रंग फीका पड़ सकता है।

नमी से बचाकर रखें: लकड़ी पर पानी जमा न होने दें और गीली सतह को तुरंत सुखाएं।

सही पॉलिश चुनें: फर्नीचर की लकड़ी और फिनिश के हिसाब से उपयुक्त केयर प्रोडक्ट इस्तेमाल करें।

तेल का इस्तेमाल सोच-समझकर करें: जैतून का तेल हर प्रकार की लकड़ी के लिए नहीं बना है। बिना जांच के इसे फर्नीचर पर लगाने से बचें।

पुराने फर्नीचर को दें नया लुक

घर को खूबसूरत बनाने के लिए हमेशा नया फर्नीचर खरीदना जरूरी नहीं है। नियमित सफाई, सही देखभाल और लकड़ी की फिनिश के अनुकूल पॉलिश से पुराने फर्नीचर का लुक बेहतर बनाया जा सकता है। जैतून के तेल को लकड़ी की पॉलिश का सार्वभौमिक विकल्प न मानें। किसी भी प्रोडक्ट का इस्तेमाल करने से पहले उसकी उपयुक्तता जांचना जरूरी है, ताकि त्योहार की सफाई के दौरान आपके फर्नीचर को नुकसान न पहुंचे।



नाबालिग बेटी के साथ दरिंदगी के आरोपियों को राजनीतिक संरक्षण बर्दाश्त नहीं, दोषियों को मिले कठोरतम सजा : सुमित हृदयेश

भाजपा और एबीवीपी से जुड़े लोगों पर गंभीर आरोपों के बावजूद सरकार की चुप्पी चिंताजनक, महिला सुरक्षा पर जवाब दे भाजपा सरकार : कांग्रेस

के.के.पी संवाददाता

हल्द्वानी। भाजपा के छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से जुड़े छात्रसंघ अध्यक्ष पद के प्रत्याशी सहित भाजपा से जुड़े तीन अन्य कार्यकर्ताओं पर एक नाबालिग बालिका के साथ सामूहिक दुष्कर्म के गंभीर आरोपों के विरोध में आज महानगर जिला कांग्रेस कमेटी, हल्द्वानी द्वारा विधायक श्री सुमित हृदयेश और हल्द्वानी महानगर अध्यक्ष एडवोकेट गोविंद सिंह बिष्ट के सयुक्त नेतृत्व में जोरदार विरोध मार्च निकाला गया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए अपना आक्रोश व्यक्त किया और महामहिम राज्यपाल महोदय को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट / उपजिलाधिकारी को सौंपा। ज्ञापन में हल्द्वानी की घटना सहित पूरे प्रदेश में महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध बढ़ते अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने, महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा कानून-व्यवस्था में सुधार के लिए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई।





इस अवसर पर विधायक सुमित हृदयेश ने कहा कि उत्तराखंड में महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा को लेकर लगातार गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। हल्द्वानी में एक नाबालिग बेटी के साथ सामूहिक दुष्कर्म जैसे गंभीर अपराध के आरोपों में भाजपा और उसके छात्र संगठन एबीवीपी से जुड़े लोगों का नाम सामने आना बेहद चिंताजनक और शर्मनाक है। इससे भी अधिक दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि महिला सुरक्षा के बड़े-बड़े दावे करने वाली भाजपा सरकार इस मामले में अपनी जवाबदेही से बचती नजर आ रही है।

उन्होंने कहा कि बेटियों की सुरक्षा किसी राजनीतिक दल का मुद्दा नहीं, बल्कि सरकार की संवैधानिक और नैतिक जिम्मेदारी है। सत्ता और संगठन से जुड़े होने के कारण किसी भी आरोपी को राजनीतिक संरक्षण मिलना या जांच प्रभावित होना किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कानून सबके लिए समान है और कानून से ऊपर कोई भी व्यक्ति या संगठन नहीं हो सकता। विधायक ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं के साथ छेड़छाड़, दुष्कर्म, उत्पीड़न, अपहरण एवं अन्य आपराधिक घटनाएं लगातार चिंता का विषय बनी हुई हैं। देवभूमि में मातृशक्ति और बेटियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सरकार की विफलता बेहद गंभीर विषय है। केवल महिला सुरक्षा के नारे देने से जिम्मेदारी पूरी नहीं होती, बल्कि सरकार को धरातल पर ठोस कार्रवाई करके दिखानी होगी।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि कांग्रेस पार्टी पीड़िता और उसके परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। हमारी मांग है कि हल्द्वानी के इस मामले की निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच हो, किसी भी प्रकार के राजनीतिक दबाव को जांच में आड़े न आने दिया जाए, पीड़िता एवं उसके परिवार को सुरक्षा प्रदान की जाए तथा दोष सिद्ध होने पर आरोपियों को कानून के अनुसार कठोरतम सजा दिलाई जाए। साथ ही पीड़िता की पहचान एवं गरिमा की पूरी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। उत्तराखंड महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती ज्योति रौतेला ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं और बेटियों के विरुद्ध लगातार सामने आ रही आपराधिक घटनाएं भाजपा सरकार के महिला सुरक्षा के दावों की पोल खोल रही हैं। हल्द्वानी में एक नाबालिग बालिका के साथ सामूहिक दुष्कर्म के गंभीर आरोपों में भाजपा एवं एबीवीपी से जुड़े लोगों का नाम सामने आना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के नाम पर राजनीति करने वाली भाजपा को अब इन गंभीर मामलों पर जवाब देना होगा।

उन्होंने कहा कि आज प्रदेश की बेटियां अपने घरों, शिक्षण संस्थानों और सार्वजनिक स्थलों पर भी खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर पा रही हैं। सरकार की जिम्मेदारी है कि वह पीड़िताओं को न्याय दिलाए, न कि आरोपियों को बचाने के लिए किसी भी प्रकार का राजनीतिक दबाव बनने दे। महिला कांग्रेस पीड़िता और उसके परिवार के साथ खड़ी है और जब तक उसे न्याय नहीं मिलता, तब तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा।

महानगर कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट गोविंद सिंह बिष्ट ने कहा कि उत्तराखंड में भाजपा सरकार के शासनकाल में महिला सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। प्रदेश में महिलाओं और बेटियों के साथ हो रही आपराधिक घटनाएं सरकार की कानून-व्यवस्था पर सवालिया निशान लगा रही हैं। भाजपा को केवल महिला सम्मान और सुरक्षा की बातें करने से काम नहीं चलेगा, बल्कि ऐसे गंभीर मामलों में निष्पक्ष कार्रवाई करके अपनी जवाबदेही भी साबित करनी होगी।

उन्होंने कहा कि किसी भी आरोपी को राजनीतिक दल, संगठन या सत्ता से जुड़े होने के कारण संरक्षण नहीं मिलना चाहिए। कांग्रेस की मांग है कि पीड़िता को शीघ्र न्याय मिले, मामले की निष्पक्ष जांच हो और दोष सिद्ध होने पर कठोरतम कानूनी कार्रवाई की जाए। कांग्रेस पार्टी महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और न्याय के लिए सड़क से लेकर सदन तक अपनी आवाज बुलंद करती रहेगी।

विरोध प्रदर्शन के दौरान बहुचर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने की मांग करते हुए प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। वक्ताओं ने कहा कि अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने की मांग आज भी अधूरी है। प्रदेश की बेटियों को न्याय और सुरक्षा दिलाना सरकार की जिम्मेदारी है। महिला अपराधों से जुड़े मामलों में किसी भी प्रभावशाली व्यक्ति को बचाने का प्रयास नहीं होना चाहिए तथा सभी मामलों में निष्पक्ष जांच और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए।

ज्ञापन के माध्यम से कांग्रेस ने महामहिम राज्यपाल महोदय से निम्नलिखित प्रमुख मांगें कीं–

1. हल्द्वानी की नाबालिग बालिका से जुड़े सामूहिक दुष्कर्म के गंभीर आरोपों वाले मामले की निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी प्रकार के राजनीतिक दबाव अथवा संरक्षण की संभावना को समाप्त किया जाए।

2. प्रदेश में महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध दर्ज सभी गंभीर आपराधिक मामलों की निष्पक्ष जांच कराते हुए दोष सिद्ध होने पर आरोपियों के विरुद्ध कठोरतम कानूनी कार्रवाई की जाए।

3. प्रदेश में महिला अपराधों की रोकथाम के लिए व्यापक एवं प्रभावी कार्ययोजना तैयार की जाए तथा महिला सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाए।

4. स्कूलों, कॉलेजों, बाजारों एवं सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए विशेष व्यवस्था की जाए तथा संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस गश्त बढ़ाई जाए।

5. महिला हेल्पलाइन एवं महिला थानों को अधिक प्रभावी बनाया जाए और पीड़िताओं की शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

6. महिला अपराधों के मामलों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जवाबदेही तय कर उनके विरुद्ध उचित कार्रवाई की जाए।

7. पीड़िताओं एवं उनके परिवारों को सुरक्षा प्रदान की जाए तथा उन्हें किसी भी प्रकार के दबाव, धमकी अथवा उत्पीड़न से बचाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

हल्द्वानी महानगर जिला कांग्रेस कमेटी ने स्पष्ट चेतावनी दी कि महिलाओं एवं बालिकाओं के सम्मान, सुरक्षा और न्याय से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। यदि इस मामले में निष्पक्ष एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित नहीं की गई तो कांग्रेस पार्टी जनहित में अपना संघर्ष और तेज करेगी। पीड़िता को न्याय मिलने तक कांग्रेस की आवाज बुलंद होती रहेगी।

इस विरोध मार्च में हेमंत बगड़वाल, हरीश पनेरू, मलय बिष्ट, गिरीश पांडे, दीप पाठक, प्रकाश पांडे, एन.बी. गुणवंत, सुहैल सिद्दीकी, विशाल भोजक, शोभा बिष्ट, मधु सांगुड़ी, हिमांशु जोशी, गुरप्रीत सिंह प्रिंस, जीवन कार्की, पार्षद नीमा भट्ट, जया कर्नाटक, विमला सांगुड़ी, खष्टी बिष्ट, निर्मला जोशी, राजो टंडन, भगवती जोशी, शकुंतला देवी, सीमा भटनागर, रजनी, पुष्पा सम्मल, मंजू दानू, जाकिर हुसैन, किरन माहरा, हेम पांडे, मोहन बिष्ट, गोविंद बगड़वाल, ज्ञान सिंह थापा, ठाकुर चंद्र मोहन, महेश कांडपाल, दिग्विजय सिंह चौहान, इंजीनियर सुमित कुमार, प्रदीप नेगी, मनोज भट्ट, खजान पांडे, मनोज बिष्ट, पार्षद धर्मवीर, महेशानंद, आशीष कुराई, दिनेश सांगुड़ी, गौरव बलुटिया, राजेंद्र बिष्ट, राजू सुयाल, मेहुल साह, सालिम सिद्दीकी, बबलू बिष्ट, संजू उप्रेती, नितिन भट्ट, राजू रावत, गजेंद्र गोनिया, अमित रावत, कौशलेंद्र भट्ट, पवन गुप्ता, प्रदीप बिष्ट, लाल सिंह पवार, तस्कीन अहमद, नरेंद्र पनेरू, योगेश कबड़वाल, मनोज टम्टा, शंकर कोहली, तेजराम, रईस गफरारी, नफीस चौधरी, कमल मेहता, दिवेश तिवारी, शैलेंद्र दानू, सूरज प्रकाश, राजा राणा, पवन शाह, किशन अनेरिया, प्रदीप कुमार, उदित कायत, करन अधिकारी एवं मयंक गोस्वामी सहित विभिन्न फ्रंटल संगठनों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

एक्ट ईस्ट पॉलिसी ने आसियान देशों के साथ संबंधों को दी नई रफ्तार: पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को फिलीपींस की राजधानी मनीला में आयोजित 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी ने दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ संबंधों को नई रफ्तार और मजबूती दी है। भारत और आसियान के बीच सहयोग अब केवल साझा संस्कृति और विरासत तक सीमित नहीं है, बल्कि डिजिटल तकनीक, रक्षा और अंतरिक्ष जैसे आधुनिक क्षेत्रों तक पहुंच गया है।

पीएम मोदी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में दोनों पक्षों के संबंधों में काफी विस्तार हुआ है। भारत ने 2014 से अब तक लोगों के बीच आपसी संपर्क बढ़ाने के लिए 100 से ज्यादा पहल की हैं। इसके अलावा करीब 250 क्विक इम्पैक्ट प्रोजेक्ट शुरू किए गए हैं और कौशल विकास के लिए 10 हजार से अधिक छात्रवृत्तियां दी गई हैं। उन्होंने कहा कि भारत और आसियान के नौ देशों के बीच सीधी उड़ानें और बढ़ता पर्यटन भी दोनों पक्षों की नजदीकी को दिखाता है।

प्रधानमंत्री ने भारत और आसियान के बीच सहयोग को क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि भारत और आसियान मिलकर दुनिया की करीब एक चौथाई आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसे में इस क्षेत्र का भविष्य प्रतिस्पर्धा के बजाय आपसी सहयोग से तय होना चाहिए। मोदी ने कहा कि दोनों पक्षों के पास क्षेत्र को शांति और स्थिरता का प्रतीक बनाने की क्षमता भी है और इसके लिए जरूरी इच्छाशक्ति भी। आसियान देशों की यह उनकी तीसरी यात्रा है, जो भारत के लिए इस संगठन के विशेष महत्व को दर्शाती है। भारत का विकास और आसियान देशों की समृद्धि एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई है। आने वाले वर्षों में आसियान कम्युनिटी विजन 2045 और विकसित भारत 2047 दोनों पक्षों की साझा उम्मीदों को पूरा करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।



दुनिया को शांति और स्थिरता की जरूरत...

फिलीपींस की राजधानी मनीला में आज पीएम मोदी ने आसियान समिट में भी हिस्सा लिया. जिसमें दुनिया के कई बड़े नेता शामिल हुए हैं. इस आयोजन में बोलते हुए पीएम मोदी ने कई बड़ी बातें कही हैं. उन्होंने कहा दुनिया फिलहाल कई संकटों से गुजर रही है, ऐसे वक्त में विश्व को शांति और स्थिरता की जरूरत है. पीएम मोदी ने कहा हमारे पास सामर्थ्य भी है और संकल्प भी है, जिसमें हम आपसी भागीदारी निभा सकते हैं.

क्वाड में पीएम मोदी से मिले डोनाल्ड ट्रंप



अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फिर तारीफ की है। क्वॉड सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब उनके पास खड़े थे तो उन्होंने कहा कि एक एक सख्त व्यक्ति हैं। इसके बाद ट्रंप ने जापानी प्रधानमंत्री साना टाका इची की ओर इशारा किया और कहा, 'और वह शायद और भी सख्त हो सकती हैं।'

इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि आज की मीटिंग से क्वाड मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि ये मुलाकात आगे की बुनियाद मजबूत करेगा। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची शामिल हो रहे हैं।

शहबाज-मुनीर की जोड़ी दुनिया के सबसे प्रभावशाली मुस्लिमों की सूची में शीर्ष पर

मौलाना मदनी टॉप-50 में शामिल एकमात्र भारतीय

अम्मान। जॉर्डन के प्रतिष्ठित थिंक टैंक 'रॉयल इस्लामिक स्ट्रैटेजिक स्टडीज सेंटर' (आरआईएसएससी) द्वारा वर्ष 2027 के लिए दुनिया के सबसे प्रभावशाली 500 मुस्लिमों की सूची जारी की गई है। इस बहुप्रतीक्षित सूची में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की जोड़ी को संयुक्त रूप से पहला स्थान मिला है। पाकिस्तानी नेतृत्व के अलावा सऊदी अरब के किंग सलमान, क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन को भी सह-रूप से शीर्ष स्थान मिला है।

बीते वर्ष 2026 की सूची में शीर्ष 50 से भी बाहर रहे शहबाज और मुनीर को इस बार नंबर-1 का स्थान मिलने का मुख्य कारण पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये के बीच हुआ रणनीतिक 'मक्का समझौता' है। इस त्रिपक्षीय समझौते के प्रावधानों के तहत यदि इन तीनों देशों में से किसी एक पर भी बाहरी हमला होता है, तब बाकी दोनों देश इस अपनी संप्रभुता पर हमला मानकर उसकी रक्षा के लिए आगे आएंगे।

आरआईएसएससी द्वारा साल 2009 से लगातार 'द मुस्लिम 500' नाम से यह सूची जारी की जा रही है। पिछले 18 वर्षों के इतिहास में यह पहला अवसर है जब पांच शीर्ष नेतृत्व को एक साथ पहला स्थान दिया गया है। वर्ष 2027 की इस रैंकिंग में ईरान के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई चौथे स्थान पर हैं, जबकि कतर के शेख तमीम बिन हमद अल-थानी पांचवें और जॉर्डन के किंग अब्दुल्ला छठे स्थान पर काबिज हैं। इसके अलावा पाकिस्तान के मुफ्ती तकी उस्मानी सातवें और यमन के हुती नेता अब्दुल-मलिक अल-हुती 17वें स्थान पर रखे गए हैं। अफगानिस्तान के तालिबान सुप्रीम लीडर हैबतुल्लाह अखुंदजादा, सीरिया के अहमद अल-शरा और न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने भी शीर्ष 50 में अपनी जगह बनाई है।

भारतीय चेहरों में जमीयत उलेमा-ए-हिंद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी शीर्ष 50 प्रभावशाली हस्तियों में जगह बनाने वाले इकलौते भारतीय हैं, जिन्हें इस बार 18वां स्थान मिला है। रिपोर्ट में अल्पसंख्यकों के अधिकारों, नागरिकता और धार्मिक स्वतंत्रता के लिए उनके द्वारा लड़ी जा रही कानूनी और सामाजिक लड़ाइयों का विशेष उल्लेख किया गया है। उनके अलावा एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी, दिग्गज उद्योगपति अजीम प्रेमजी और दाऊदी बोहरा समुदाय के धर्मगुरु सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन सहित बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान, आमिर खान, सलमान खान, अभिनेत्री शबाना आजमी और प्रसिद्ध संगीतकार एआर रहमान को भी शीर्ष 500 की समग्र सूची में शामिल किया गया है।

खुफिया एजेंसियों को मिले ईरान की साजिश के संकेत, निशाने पर ट्रम्प प्रशासन के बड़े अधिकारी

अमेरिका में डर्टी बम हमले की आशंका

वॉशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच अमेरिकी राजधानी वॉशिंगटन में संभावित केमिकल और रेडियोएक्टिव हमले की आशंका जताई गई है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को ऐसी जानकारी मिली है कि ईरान अमेरिका में डर्टी बम या जहरीले केमिकल हथियारों से हमला करने के विकल्पों पर विचार कर रहा है। इस संभावित हमले में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों को निशाना बनाए जाने की आशंका है।

खुफिया जानकारी सामने आने के बाद अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। पिछले एक सप्ताह में अधिकारियों ने कई बैठकें कर संभावित खतरे और उससे निपटने की तैयारियों पर चर्चा की है। एहतियात के तौर पर ट्रम्प प्रशासन के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। हालांकि, अमेरिकी खुफिया एजेंसियों से जुड़े सात अधिकारियों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान हमले के विकल्पों पर विचार कर सकता है, लेकिन अभी तक ऐसा कोई ठोस सबूत नहीं मिला है जिससे यह साबित हो कि उसने अमेरिका पर हमला करने का अंतिम फैसला कर लिया है।

अमेरिका में पहले से छिपाकर रखे हो सकते हैं विस्फोटक पदार्थ

अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को कुछ ऐसी बातचीत की जानकारी मिली है, जिसमें कथित तौर पर ईरान की ओर से अमेरिका के भीतर बम बनाने की सामग्री छिपाकर रखने की बात कही गई है। हालांकि, अमेरिकी अधिकारी इस सूचना की विश्वसनीयता को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं हैं। इसके बावजूद सुरक्षा एजेंसियां इस आशंका को गंभीरता से ले रही हैं कि रेडियोएक्टिव पदार्थ या जहरीले केमिकल पहले से अमेरिका में पहुंचाकर छिपाए गए हो सकते हैं। आशंका यह भी है कि ईरान को हमले के लिए अपने लोगों को अमेरिका भेजने की जरूरत नहीं पड़ेगी। वह अमेरिका में पहले से मौजूद किसी व्यक्ति को इसके लिए तैयार कर सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक खुफिया सूत्र ने अमेरिकी सीमा सुरक्षा में पिछले वर्षों के दौरान रही खामियों का हवाला देते हुए कहा कि इनके जरिए जरूरी सामग्री और लोगों को देश के भीतर पहुंचाने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। एक अन्य सूत्र ने आशंका जताई कि रेडियोएक्टिव सामग्री कई साल या दशकों पहले भी अमेरिका में छिपाकर रखी गई हो सकती है।

वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट को सैन्य आवास में शिफ्ट किया

संभावित हमले की आशंका के बीच अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट की सुरक्षा व्यवस्था में बदलाव किया है। उन्हें पिछले सप्ताह सैन्य आवास में स्थानांतरित किया गया। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, ईरान पहले भी ट्रम्प प्रशासन के मौजूदा और पूर्व अधिकारियों को निशाना बनाने की कोशिश कर चुका है। साल 2024 में भी ट्रम्प की हत्या के लिए सुपारी देने की कथित साजिश सामने आई थी। हालांकि, पहले की साजिशों में अमेरिकी अधिकारियों को मुख्य रूप से विदेश यात्राओं के दौरान निशाना बनाने की कोशिश किए जाने की जानकारी सामने आई थी। स्कॉट बेसेंट पहले सार्वजनिक रूप से कह चुके हैं कि वह ईरान की धमकियों से डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने सैन्य ठिकाने पर रहने की बात भी स्वीकार की थी।

ग्रीन कार्ड में देरी से भारतीयों का अमेरिका बसना मुश्किल

10 लाख इंतजार में, 30 हजार भारतीयों ने यूरोप-दुबई को बनाया दूसरा घर

ट्रम्प की सख्त वीजा नीतियों और भेदभाव की आशंका से बदल रहा प्रवास का ट्रेंड

न्यूयॉर्क। बेहतर नौकरी, ऊंची कमाई और सुरक्षित भविष्य की उम्मीद में अमेरिका जाने वाले भारतीयों के लिए अब वहां स्थायी रूप से बसना आसान नहीं रह गया है। ग्रीन कार्ड मिलने में सालों की देरी, ट्रम्प प्रशासन की सख्त इमिग्रेशन नीतियां और नस्लीय भेदभाव की आशंका ने भारतीयों के अमेरिकी सपने पर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालात यह हैं कि करीब 10 लाख भारतीय ग्रीन कार्ड का इंतजार कर रहे हैं, जबकि लगभग 30 हजार भारतीयों ने अमेरिका के साथ-साथ दूसरे देशों में भी स्थायी निवास (पीआर) हासिल कर लिया है।

अमेरिका की नेशनल फाउंडेशन फॉर अमेरिकन पॉलिसी के आंकड़ों के मुताबिक, ग्रीन कार्ड की लंबी प्रतीक्षा सूची में भारतीयों की बड़ी संख्या शामिल है। इस अनिश्चितता के चलते अब भारतीय पेशेवर और कारोबारी अमेरिका को अपना एकमात्र ठिकाना मानने के बजाय दूसरे देशों में भी विकल्प तलाश रहे हैं। दुबई और यूरोप के देश इस नई प्रवृत्ति के प्रमुख केंद्र बनकर उभरे हैं।

दुबई में कारोबार, यूरोप में स्थायी ठिकाने की तलाश

माइग्रेशन एजेंसियों के अनुसार, भारतीयों के बीच अब एक से अधिक देशों में रहने का विकल्प तैयार करने की दिलचस्पी बढ़ रही है। मिलियनेयर माइग्रेंट फर्म के जेरेमी सैवरी के मुताबिक, ट्रम्प प्रशासन की सख्त वीजा नीतियां और



नस्लीय भेदभाव की आशंका भी भारतीयों को दूसरे देशों की ओर देखने के लिए प्रेरित कर रही हैं। दुबई भारतीय कारोबारियों और निवेशकों के लिए आकर्षक विकल्प बन रहा है। यहां का कारोबार अनुकूल माहौल और गोल्डन वीजा लंबी अवधि तक रहने की सुविधा देते हैं। यूरोप में भी अलग-अलग देशों की रेजिडेंसी योजनाएं भारतीयों को लुभा रही हैं। ग्रीस की रेजिडेंसी से शेंगेन क्षेत्र में यात्रा करना आसान होता है, जबकि स्पेन का डिजिटल नोमैड वीजा रिमोट काम करने वालों को वहां रहने का अवसर देता है। इटली में भी निर्धारित निवेश योजनाओं के जरिए निवास हासिल करने के विकल्प मौजूद हैं।

कनाडा-ऑस्ट्रेलिया भी बन रहे विकल्प

अमेरिका के अलावा भारतीयों की दिलचस्पी अब कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में भी बढ़ रही है। इमिग्रेशन कंसल्टिंग फर्म गारंट इन के आंद्रेई बोइको के मुताबिक, इन देशों में बसने को लेकर पूछताछ में सालाना करीब 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। यह बदलाव बताता है कि भारतीय अब विदेश में बसने के लिए सिर्फ बेहतर वेतन या नौकरी को आधार नहीं बना रहे, बल्कि स्थायी निवास, परिवार के भविष्य, शिक्षा और इमिग्रेशन नियमों की स्थिरता को भी महत्व दे रहे हैं।

ट्रम्प की नीतियों से अमेरिकी सपने पर भरोसा कमजोर

अमेरिका में रह रहे भारतीय मूल के लोगों के बीच भी इमिग्रेशन नीतियों को लेकर चिंता बढ़ी है। कार्नेगी एंडोमेंट के हालिया सर्वे के मुताबिक, 64 प्रतिशत भारतीय-अमेरिकियों ने माना कि ट्रम्प की इमिग्रेशन नीतियों ने अमेरिकी सपने में उनके भरोसे को कमजोर किया है। दरअसल, अमेरिका में काम करने और रहने की अनुमति मिलने के बाद भी स्थायी निवास का रास्ता लंबा हो सकता है। खासकर रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड श्रेणियों में भारत के आवेदकों को लंबे इंतजार का सामना करना पड़ता है। इस दौरान नौकरी, परिवार और भविष्य की योजनाओं को लेकर अनिश्चितता बनी रहती है।

अमेरिका में भारतीय छात्रों की संख्या भी घटी

अमेरिका में पढ़ाई करने वाले भारतीय छात्रों की संख्या में भी गिरावट दर्ज की गई है। ओपन डोर्स के आंकड़ों के मुताबिक, 2025-26 में अमेरिका में 3,39,435 भारतीय छात्रों ने दाखिला लिया, जबकि 2024-25 में यह संख्या 3,63,019 थी। यानी एक साल में 23,584 छात्रों की कमी आई। अमेरिका की करीब 95 प्रतिशत यूनिवर्सिटीज को आशंका है कि विदेशी छात्र उच्च शिक्षा के लिए दूसरे देशों का रुख कर सकते हैं। वीजा नीतियों को लेकर अनिश्चितता और पढ़ाई के बाद नौकरी तथा स्थायी निवास हासिल करने की चुनौती इस बदलाव की वजह मानी जा रही है।

बदल रहा है विदेश में बसने का फॉर्मूला

अब तक भारतीयों के लिए अमेरिका विदेश में बसने का सबसे पसंदीदा ठिकाना रहा है। लेकिन ग्रीन कार्ड की लंबी कतार और बदलते इमिग्रेशन माहौल ने इस सोच को बदलना शुरू कर दिया है। भारतीय अब एक ही देश पर निर्भर रहने के बजाय दूसरे देशों में भी अपने लिए रास्ते तैयार कर रहे हैं।

अमेरिका में नौकरी जारी रखते हुए दुबई या यूरोप में पीआर हासिल करना इसी रणनीति का हिस्सा बनता जा रहा है।

भीमगोड़ा कुंड के सौंदर्यीकरण के लिए चार करोड़ जारी करने पर श्री जी ट्रस्ट ने मेलाधिकारी का स्वागत कर दिया धन्यवाद

के.के.पी संवाददाता

हरिद्वार। कुंभ मेले से पहले पौराणिक भीमगोड़ा कुंड को संवारने के लिए सौंदर्यीकरण के लिए चार करोड़ रुपये जारी होने के बाद स्थानीय लोगों और श्रीजी ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने मेलाधिकारी सोनिका से मुलाकात कर उनका आभार जताया। साथ ही कुंड के विकास को लेकर पूर्व में दिए गए सुझावों पर जल्द कार्रवाई करने की मांग की। श्रीजी ट्रस्ट की संस्थापक अध्यक्ष दिव्या चौधरी के नेतृत्व में पहुंचे पदाधिकारियों ने 29 सितंबर 2026 को सौंपे गए सुझावों पर मेलाधिकारी से विस्तार से चर्चा की।

पदाधिकारियों ने कहा कि भीमगोड़ा कुंड धार्मिक और



ऐतिहासिक महत्व रखने वाला प्रमुख स्थल है। कुंभ मेले के दौरान यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आवागमन रहता है। ऐसे में कुंड का सौंदर्यीकरण, साफ-सफाई और श्रद्धालुओं के लिए जरूरी सुविधाओं का विस्तार किया जाना आवश्यक है। मेलाधिकारी सोनिका ने सुझावों का स्वागत करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव पर आगे की कार्रवाई के लिए हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण (एचआरडीए) के सचिव से भी बातचीत की जाएगी। ट्रस्ट की संस्थापक अध्यक्ष दिव्या चौधरी ने उम्मीद जताई कि प्रशासन जल्द ही इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाएगा। इस दौरान सोनिया मोहन, एडवोकेट गीता अडलक्खा, कनिका गुप्ता, सीता बडोनी, सुनीता शर्मा, नीना मिश्रा, उमा गिरी, आयुष्मती पुरोहित, निर्मला देवी, अंजू दत्त, पार्षद सुमित चौधरी, लखन लाल चौहान, सुशील कंडवाल, मुकेश अग्रवाल, अभिषेक गुप्ता, गणेश मिश्रा, हरिमोहन वर्मा और प्रशांत शर्मा आदि मौजूद रहे।

'भाजपा कार्यकर्ता तपा हुआ सोना, उत्तराखंड में तीसरी बार लहराएगा परचम'-फणींद्र नाथ शर्मा

प्रदेश महामंत्री संगठन ने चम्पावत और लोहाघाट में कार्यकर्ताओं से किया सीधा संवाद

बोले – पहले राष्ट्र, फिर दल और अंत में व्यक्ति, लोहाघाट में अपना विधायक न होने की टीस जताई



के.के.पी संवाददाता

चम्पावत/लोहाघाट। भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन फणींद्र नाथ शर्मा पहली बार चम्पावत जिले के दौरे पर पहुंचे और कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए उन्हें लक्ष्य साधने के गुर दिए। जिला मुख्यालय स्थित भाजपा कार्यालय और लोहाघाट नगर पालिका सभागार में आयोजित अलग-अलग बैठकों में उन्होंने कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद कर उनकी भावनाएं समझीं। शर्मा ने कहा कि कार्यकर्ता उस ऐतिहासिक क्षण के गवाह बनने जा रहे हैं, जब भाजपा उत्तराखंड में लगातार तीसरी बार सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता साधारण व्यक्ति नहीं, बल्कि आग में तपा हुआ सोना है, जिसकी चमक संघर्ष में और बढ़ती है। कार्यकर्ताओं के संघर्ष और लगन से ही पार्टी आज इस मुकाम पर है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के लिए आगामी चुनाव उसकी आन-बान-शान से जुड़ा है। विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ राष्ट्रीय दल सत्ता पाने के लिए षड्यंत्र रच रहे हैं और लोगों को इसके प्रति सजग रहने की जरूरत है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं पर राष्ट्र और सनातन का अपमान करने का आरोप भी लगाया और कहा कि उत्तराखंड के लोग, जिन्होंने अपने खून से देश की रक्षा का इतिहास लिखा है, यह सब देख रहे हैं। धामी सरकार के कामकाज पर संतोष जताते हुए शर्मा ने कहा कि सरकार ने लोगों के जीवन की जटिलताएं कम कीं और रोजगार के अवसर बढ़ाए हैं। परीक्षा प्रणाली में बनाए गए कड़े नियमों से प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है।

जिलाध्यक्ष गोविंद सामंत की अध्यक्षता और जिला महामंत्री मुकेश कलखुड़िया के संचालन में हुए कार्यकर्ता संवाद में शर्मा ने कहा कि भाजपा में पहले राष्ट्र, फिर दल और उसके बाद व्यक्ति का स्थान है। उन्होंने कहा कि लोहाघाट विधानसभा क्षेत्र में पार्टी का अपना विधायक न होने से कार्यकर्ताओं को जो कठिनाइयां झेलनी पड़ती हैं, उसे वे महसूस करते हैं।

राज्यपाल ने पंतनगर विश्वविद्यालय के 67वां स्थापना दिवस कार्यक्रम में किया प्रतिभाग

विश्वविद्यालय परिसर में कई विकास कार्यों का किया शिलान्यास

राज्यपाल ने किसानों से सीधा संवाद कर उन्हें आधुनिक कृषि तकनीक अपनाने के लिए किया प्रेरित

के.के.पी संवाददाता

पंतनगर। गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर के 67वें स्थापना दिवस के अवसर पर राज्यपाल डॉ. ढाल सिंह बिसेन ने विभिन्न कार्यक्रमों में प्रतिभाग किया। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में कई विकास कार्यों का शिलान्यास किया और प्रगतिशील किसानों से सीधा संवाद कर उन्हें आधुनिक कृषि तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित किया। राज्यपाल डॉ. ढाल सिंह बिसेन ने मंगलवार को पंतनगर विश्वविद्यालय के 67वें स्थापना दिवस पर सबसे पहले पंतनगर संग्रहालय का अवलोकन किया। इसके बाद उन्होंने सरस्वती भवन, सुभाष भवन, गांधी भवन, अंबेडकर भवन और मंदाकिनी भवन परिसर के बीच द वाइब स्ट्रीट तथा पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय के परीक्षा हॉल का विधिवत शिलान्यास किया। इस दौरान राज्यपाल ने विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों और महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पादों के स्टॉलों का निरीक्षण कर उत्पादों की जानकारी भी ली। इसके बाद आयोजित कृषक संवाद कार्यक्रम में राज्यपाल ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे प्रगतिशील किसानों से सीधा संवाद किया। किसानों ने मधुमक्खी पालन, मत्स्य पालन, मक्का, दलहन और एकीकृत खेती के अपने अनुभव साझा किए। राज्यपाल ने युवाओं से कृषि एवं बागवानी के क्षेत्र में आगे आने का आह्वान करते हुए कहा कि आधुनिक तकनीक और नवाचारों को अपनाकर खेती को लाभकारी बनाया जा सकता है। उन्होंने किसानों को नई तकनीकों के माध्यम से कृषि उत्पादन और आय बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर आयोजित इन कार्यक्रमों के माध्यम से आधुनिक कृषि, नवाचार और किसानों की आय बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया।

जनगणना-2027 को लेकर मुकेश बोरा की पहल, 710 दुग्ध समितियों के जरिए 34 हजार परिवारों तक पहुंचेगा जागरूकता संदेश

स्व-गणना अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिए दुग्ध उत्पादकों को किया जाएगा प्रेरित, समितियों के सचिवों को लिखित पत्र भेजकर जागरूकता फैलाने का आह्वान



के.के.पी संवाददाता

लालकुआं। नैनीताल दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड लालकुआं के अध्यक्ष मुकेश बोरा की अध्यक्षता में जनगणना-2027 को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में खाद्य पूर्ति अधिकारी एवं सहायक चार्ज अधिकारी मोहित कठायत ने जनगणना के प्रथम चरण के तहत संचालित स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी। साथ ही इस राष्ट्रीय अभियान का संदेश जनपद के दुग्ध उत्पादकों एवं उनके परिवारों तक पहुंचाने और उन्हें सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया गया।

बैठक में निर्णय लिया गया कि नैनीताल दुग्ध संघ से जुड़ी पर्वतीय एवं मैदानी क्षेत्रों की 710 दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों के माध्यम से लगभग 34 हजार दुग्ध उत्पादकों एवं उनके परिवारों को जनगणना-2027 के प्रति जागरूक किया जाएगा। इसके लिए दोनों क्षेत्रों की समितियों के पदाधिकारियों, सचिवों एवं संबंधित कार्मिकों के सहयोग से स्व-गणना की प्रक्रिया, उसकी उपयोगिता और ऑनलाइन पंजीकरण के संबंध में जानकारी साझा की जाएगी।

इस अवसर पर अध्यक्ष मुकेश बोरा ने कहा कि जनगणना देश की विकास योजनाओं की आधारशिला है। सटीक जनसंख्या आंकड़ों के आधार पर ही सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं का बेहतर नियोजन एवं प्रभावी क्रियान्वयन कर सकती है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक की सहभागिता इस राष्ट्रीय अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

मुकेश बोरा ने सभी दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों के सचिवों से विशेष आह्वान किया कि वे अपने-अपने पर्वतीय एवं मैदानी क्षेत्रों में दुग्ध उत्पादकों एवं उनके परिवारों को जनगणना-2027 के प्रति जागरूक करने के लिए लिखित पत्र भेजकर स्व-गणना प्रक्रिया में भाग लेने हेतु प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि समितियों के सचिव व्यक्तिगत स्तर पर भी उत्पादकों से संपर्क कर उन्हें ऑनलाइन पंजीकरण की जानकारी दें, ताकि अभियान का संदेश प्रत्येक परिवार तक पहुंच सके। उन्होंने दुग्ध उत्पादकों से स्वयं स्व-गणना प्रक्रिया में भाग लेने के साथ-साथ अपने रिश्तेदारों और आसपास के लोगों को भी जागरूक करने की अपील की।

उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि भारत की जनगणना-2027 के अंतर्गत जनपद नैनीताल में 16 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक स्व-गणना की सुविधा उपलब्ध है। इसके तहत नागरिक आधिकारिक पोर्टल *द्धह्लह्लश्चह्य://ह्यद्द.ष्ठ्ठह्यह्लह्य.द्द श1.द्बठ्ठ* पर जाकर मोबाइल अथवा लैपटॉप के माध्यम से अपने परिवार का विवरण स्वयं दर्ज कर सकते हैं। सफलतापूर्वक जानकारी जमा करने के बाद 11 अंकों की स्व-गणना आईडी प्राप्त होगी, जिसे सुरक्षित रखना आवश्यक है।

शक्तिफार्म सुखी नदी में मिट्टी माफिया का तांडव, रात के अंधेरे में धड़ल्ले से हो रहा अवैध खनन

ट्रैक्टर-ट्रॉलियों और मशीनों से नदी का सीना छलनी,

तटबंधों को भी पहुंचाया जा रहा नुकसान

प्रशासन और खनन विभाग की कार्रवाई पर उठे सवाल,

रोजाना लाखों रुपये के राजस्व का नुकसान

के.के.पी संवाददाता/दीपक भारद्वाज

शक्तिफार्म। शक्तिफार्म क्षेत्र से होकर बहने वाली सुखी नदी में इन दिनों अवैध मिट्टी खनन का खेल खुलेआम चलने के आरोप लग रहे हैं। रात के अंधेरे में सक्रिय मिट्टी खनन माफिया ट्रैक्टर-ट्रॉलियों और भारी मशीनों के जरिए नदी से बड़े पैमाने पर मिट्टी निकाल रहे हैं। आरोप है कि नदी से चोरी की जा रही मिट्टी को आसपास के क्षेत्रों में सप्लाई कर माफिया प्रतिदिन लाखों रुपये का कारोबार कर रहे हैं। इससे सरकार को भारी राजस्व का नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसके बावजूद अवैध खनन पर अंकुश लगाने के लिए जिम्मेदार विभागों की प्रभावी कार्रवाई नजर नहीं आ रही है।

स्थानीय स्तर पर लगातार हो



रहे अवैध खनन को लेकर लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। बताया जा रहा है कि पिछले करीब एक महीने से सुखी नदी क्षेत्र में मिट्टी खनन का खेल लगातार जारी है। रात होते ही ट्रैक्टर-ट्रॉलियों और मशीनों की आवाजाही शुरू हो जाती है। खनन माफिया कथित तौर पर नदी के अलग-अलग हिस्सों में पहुंचकर बड़े पैमाने पर मिट्टी निकाल रहे हैं। नदी से निकाली जा रही मिट्टी को वाहनों में भरकर अन्य क्षेत्रों में पहुंचाया जा रहा है। इस पूरे खेल में नियमों और सरकारी व्यवस्था को दरकिनार किए जाने के आरोप हैं।

तटबंधों से छेड़छाड़, बरसात में बढ़ सकता है बाढ़ का खतरा

अवैध खनन का सबसे गंभीर पहलू सुखी नदी के तटबंधों को पहुंचाया जा रहा नुकसान है। बताया जा रहा है कि मशीनों से नदी के किनारों और तटबंधों के आसपास लगातार खुदाई की जा रही है। बड़े पैमाने पर मिट्टी निकाले जाने से नदी का प्राकृतिक स्वरूप प्रभावित हो रहा है। यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई तो आगामी बरसात के मौसम में इसके गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं। नदी के तटबंध कमजोर होने और जलधारा के रास्ते में बदलाव आने से शक्तिफार्म सहित आसपास के रिहायशी इलाकों और सिडकुल क्षेत्र में जलभराव तथा बाढ़ का खतरा बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

बिना अनुमति मिट्टी निकालकर सरकारी राजस्व को चपत

नदी से खनन और सिल्ट निकालने के लिए निर्धारित नियमों के तहत अनुमति और निविदा प्रक्रिया का पालन किया जाना आवश्यक है। इसके बाद संबंधित विभाग में निर्धारित राजस्व जमा कराया जाता है। लेकिन सुखी नदी क्षेत्र में कथित तौर पर बिना अनुमति मिट्टी निकालकर सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। यदि नदी से निकाली जा रही मिट्टी की मात्रा और उसकी बाजार कीमत का आकलन किया जाए तो राजस्व को होने वाले नुकसान का बड़ा खुलासा हो सकता है।

माफियाओं के आगे विभागों की कार्रवाई बेअसर

क्षेत्र में लगातार हो रहे अवैध खनन ने प्रशासन और खनन विभाग की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि रात के अंधेरे में लंबे समय से खनन होने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी इस पर प्रभावी रोक नहीं लगा पा रहे हैं।

खनन माफियाओं के हौसले इतने बुलंद बताए जा रहे हैं कि उन्हें कार्रवाई का कोई डर नहीं है। वहीं, विभागीय टीमें इस गतिविधि पर अंकुश लगाने में नाकाम दिखाई दे रही हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सुखी नदी में तत्काल जांच अभियान चलाने, अवैध खनन में लगे वाहनों और मशीनों को जब्त करने तथा इसमें संलिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही नदी के क्षतिग्रस्त तटबंधों का निरीक्षण कर उनकी सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग भी उठाई है।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह की तैयारियाँ अंतिम चरण में, परिसर को दिया जा रहा भव्य स्वरूप

के.के.पी संवाददाता

हल्द्वानी। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी में 18 नवम्बर 2026 को आयोजित होने वाले 11वें दीक्षांत समारोह की तैयारियाँ जोर-शोर से चल रही हैं। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में समारोह की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। विश्वविद्यालय परिसर में साज-सज्जा एवं सौंदर्यीकरण का कार्य निरंतर जारी है। परिसर को आकर्षक एवं भव्य स्वरूप प्रदान किया जा रहा है, ताकि समारोह में पधारने वाले विशिष्ट अतिथियों, शिक्षाविदों, गणमान्य व्यक्तियों एवं शिक्षार्थियों का गरिमापूर्ण स्वागत किया जा सके।

दीक्षांत समारोह को सुव्यवस्थित एवं यादगार बनाने के लिए विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं आयोजन समितियों द्वारा समन्वित रूप से तैयारियाँ की जा रही हैं। समारोह स्थल, मंच, प्रवेश द्वार एवं परिसर के अन्य प्रमुख स्थानों को विशेष



रूप से सजाया जा रहा है। अतिथियों के स्वागत, बैठने की व्यवस्था, कार्यक्रम संचालन तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का भी बारीकी से निरीक्षण किया जा रहा है, ताकि समारोह का आयोजन गरिमामय एवं सुचारु रूप से संपन्न हो सके।

समारोह की तैयारियों के अंतर्गत शोभायात्रा का पूर्वाभ्यास भी आयोजित किया गया। इस पुनराभ्यास के माध्यम से शोभायात्रा के क्रम, प्रतिभागियों की व्यवस्था एवं निर्धारित प्रक्रिया का अभ्यास किया गया, ताकि मुख्य समारोह के दिन सभी गतिविधियाँ अनुशासित एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हों।

माननीय कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी तैयारियों की निरंतर समीक्षा कर रहे हैं तथा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान कर रहे हैं। उनका विशेष ध्यान इस बात पर है कि समारोह की प्रत्येक व्यवस्था सुव्यवस्थित, समयबद्ध एवं विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गरिमा के अनुरूप हो।

CM धामी के बिंदुखत्ता आगमन से पहले वनाधिकार संगठन ने मांगा वार्ता का समय, राजस्व ग्राम अधिसूचना जारी करने की उठाई मांग

के.के.पी संवाददाता

लालकुआं। 22 नवंबर को बिंदुखत्ता में आयोजित होने वाले कार्यक्रम 'लोकायत' में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के प्रस्तावित आगमन को लेकर वनाधिकार संगठन बिंदुखत्ता ने उन्हें ज्ञापन भेजकर मुलाकात एवं वार्ता के लिए समय देने का अनुरोध किया है।

ज्ञापन में संगठन ने बिंदुखत्ता को राजस्व ग्राम घोषित करने की लंबित मांग की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि वनाधिकार अधिनियम 2006 की धारा 3(1)(ज) के अंतर्गत बिंदुखत्ता के राजस्व ग्राम संबंधी सामूहिक दावे को 19 जून 2024 को जिला स्तरीय वनाधिकार समिति द्वारा स्वीकृति प्रदान कर शासन को भेजा गया था। इसके बावजूद ढाई वर्ष से अधिक समय बीतने के बाद भी अधिसूचना जारी नहीं हो पाई है।



संगठन ने बताया कि कई बार मुख्यमंत्री से मुलाकात कर मांग रखी गई और सकारात्मक आश्वासन भी मिला, लेकिन धरातल पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई। 15 अगस्त 2026 से बिंदुखत्तावासियों ने 40 दिवसीय घर-घर पदयात्रा शुरू की। 27 सितंबर को लालकुआं में 20 हजार से अधिक लोगों की भागीदारी के साथ विशाल रैली आयोजित की गई। रैली में कैबिनेट मंत्री राम सिंह कैड़ा ने 15 दिनों के भीतर वार्ता कराने का आश्वासन दिया, लेकिन वार्ता नहीं हो सकी। ज्ञापन में कहा गया कि लगातार अनदेखी से मजबूर ग्रामीण लालकुआं तहसील परिसर में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं, जो अब 43वें दिन में प्रवेश कर चुका है, लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई।

वनाधिकार संगठन के अध्यक्ष उमेश चंद्र भट्ट ने कहा कि मुख्यमंत्री का आगमन क्षेत्रवासियों के लिए उत्साह का विषय है और संगठन इसे समस्या के समाधान का महत्वपूर्ण अवसर मान रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री से व्यस्त कार्यक्रम में समय निकालकर प्रतिनिधिमंडल से वार्ता करने तथा राजस्व ग्राम की अधिसूचना जारी करने की दिशा में ठोस निर्णय लेने का आग्रह किया, ताकि वर्षों से संघर्ष कर रहे बिंदुखत्तावासियों को न्याय मिल सके।

भाजपा सरकार के खिलाफ कांग्रेस पार्टी का हस्ताक्षर अभियान आयोजित

के.के.पी संवाददाता

गरमपानी(नैनीताल)। महिला सभागार में भारतीय जनता पार्टी की सरकार की जनविरोधी नीतियों, बढ़ते भ्रष्टाचार एवं प्रदेश की ज्वलंत समस्याओं को लेकर कांग्रेस पार्टी द्वारा चलाए जा रहे हस्ताक्षर अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिला नैनीताल विधानसभाओं का प्रभारी होने के नाते डॉ. गणेश उपाध्याय ने अपने प्रभावशाली उद्बोधन में संगठन को मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं में आपसी समन्वय स्थापित करने तथा पार्टी की विचारधारा और नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का मूल मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी राजनीतिक संगठन की असली ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता



होते हैं और मजबूत संगठन के माध्यम से ही जनहित की लड़ाई को प्रभावी बनाया जा सकता है। इस क्षेत्र का नेतृत्व पूर्व में नेता प्रतिपक्ष उत्तराखंड कांग्रेस यशपाल आर्य ने किया है और आप ही के सभी लोगों के आशीर्वाद से विधानसभा अध्यक्ष बने प्रदेश अध्यक्ष बने यह सब महान जनता आपको जाता है अपनी विधानसभा क्षेत्र में यशपाल आर्य ने विकास की बहुत बड़े आयाम स्थापित किया। जिला अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी नैनीताल राहुल छिम्वाल ने संगठन की मजबूती और आने वाले 2027 मे हमारे कार्यकर्ताओं व पदाधिकारी को घर-घर जाकर भारतीय जनता पार्टी उत्तराखंड के 10 साल की अवगत कराना है, जरूर अपने बच्चों की भविष्य के लिए उत्तराखंड में कांग्रेस की सरकार को लाना जरूरी है। सतीश नैनवाल उपाध्यक्ष उत्तराखंड कांग्रेस ने भी अपने बहुमूल्य विचारों एवं मार्गदर्शन से कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने तथा जनता की समस्याओं को लेकर निरंतर संघर्ष करने का आह्वान किया। इससे पूर्व नवनियुक्त का अध्यक्ष देविन्द बिष्ट ,गुड्डू भाई का माल्यापण पर स्वागत किया गया और जे डी कत्यूरा को जिला महामंत्री बनने पर माल्यार्पण करके बधाइयां शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख अंकित साह, पीसी गोरखा, जीशान सिंकु जिला पंचायत सदस्य, मीमांसा आर्या, शीलू ,संजय कुमार संजू व पीयूष जेष्ट प्रमुख सुरेश जोशी सहित आदि लोगों ने अपने विचार रखें विचार रखते हुए कांग्रेस पार्टी के ऐतिहासिक योगदान, जनहित में किए गए कार्यों तथा लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए पार्टी के संघर्ष को विस्तार से उजागर किया।

उत्तराखंड में अलग-अलग सड़क हादसों में 17 की मौत, 38 घायलउत्तराखंड में अलग-अलग सड़क हादसों में कुल 17 लोगों की मौत, 38 घायल

टिहरी/रुद्रप्रयागः उत्तराखंड में अलग-अलग सड़क हादसों में 17 लोगों की मौत हो गई और 38 अन्य घायल हो गए. टिहरी जिले में सोमवार रात से मंगलवार सुबह तक चार सड़क हादसे हुए, जिनमें 13 व्यक्तियों की मौत हुई. पुलिस ने बताया कि ऋषिकेश-कीर्तिनगर मार्ग पर हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस, राज्य आपदा प्रतिवादन बल (SDRF), स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं, जिसके बाद राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया. हादसे में सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और दो अन्य व्यक्तियों ने ऋषिकेश स्थित AIIMS में दम तोड़ दिया. मृतकों में बस का चालक राजेंद्र सिंह (48) और परिचालक अनुज भंडारी भी शामिल है.

यूपी के रहने वाले हैं पीड़ित...

टिहरी जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र के मुताबिक, अन्य मृतकों की पहचान उत्तर प्रदेश के संभल जिले के चंदौसी के रहने वाले विक्की (37) एवं रोहित कश्यप (37), पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी के रहने वाले राज रॉय, उत्तराखंड के टिहरी जिले के मैखंडी निवासी पुन्नू (55), चमोली जिले के गोपेश्वर निवासी सुशील प्रताप सिलोडी (55), मध्य प्रदेश के दीपक गुप्ता (55) एवं विकास गुप्ता के रूप में हुई है. हादसे के वक्त बस में 34 यात्री सवार थे और वह हरिद्वार से चमोली जिले के जोशीमठ जा रही थी. परिचालन केंद्र ने बताया कि घायलों का एम्स ऋषिकेश में इलाज जारी है. घायल यात्रियों में उत्तराखंड के विभिन्न क्षेत्रों के अलावा झारखंड, बिहार, असम, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के लोग शामिल हैं. घायलों में एक तीन साल की बच्ची आयरा और उसकी मां नूरजहां (26)भी शामिल हैं जो गुवाहाटी की रहने वाली हैं. इस बीच, टिहरी की सीनियर पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे ने बताया कि हादसे वाली जगह पर एक तीव्र मोड़ है. उन्होंने कहा कि हादसे के पीछे सही कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है.

केंद्र ने बताया कि एक अन्य हादसा, सोमवार देर रात टिहरी जिले के शिवपुरी क्षेत्र में हुआ जहां एक स्कूटर अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया. हादसे में उस पर सवार दोनों युवकों की मौत हो गई, जिनकी पहचान टिहरी जिले के दोगी क्षेत्र के रहने वाले आशीष सिंह (25) और प्रेम सिंह (32) के रूप में हुई है.

स्कूटर और ट्रक की भिड़ंत...

टिहरी जिले में चौथा हादसा सोमवार देर रात घनसाली क्षेत्र में चमियाला-बूढ़ाकेदार मार्ग पर भटेडी बैंड के पास हुआ, जहां एक स्कूटर और ट्रक की आपसी भिडंत में स्कूटर सवार व्यक्ति सुरेंद्र सिंह (35) की मौत हो गई.

एक अन्य हादसा, सोमवार देर रात रुद्रप्रयाग जिले के अगस्त्यमुनि इलाके में बांसवाड़ा-मोहनखाल मार्ग पर हुआ, जहां पोखरी से रांसी जा रही एक कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई. कार में सवार चार लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए. पुलिस के मुताबिक, हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए. घायलों में से चार को शुरुआती इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए उच्चतर स्वास्थ्य केंद्र के लिए रेफर कर दिया गया.

यूपी में गठबंधन पर फंसी बातचीत?

सपा तो छोड़िए, कांग्रेस ने मांग ली RLD वाली भी सीटें!



लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों के बीच विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर मंथन जारी है। हालांकि, गठबंधन के बीच सीट शेयरिंग की गाड़ी आगे नहीं बढ़ पा रही है। कल कांग्रेस ने मीटिंग की और कहा था कि मंगलवार को समाजवादी पार्टी से सीटों पर बात होगी। लेकिन राहुल अखिलेश की मुलाकात के बाद मामला फिर फंसा रह गया। अब कमेटी बनेगी तब बात होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली में सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के साथ उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नेताओं की बैठक के बाद यह दावा किया गया था कि मंगलवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के साथ सीटों पर चर्चा शुरू होगी। हालांकि, मंगलवार को सोनिया गांधी के पुस्तक विमोचन कार्यक्रम के बाद राहुल गांधी और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बीच हुई मुलाकात में सीट बंटवारे पर अंतिम चर्चा को कुछ दिनों के लिए टाल दिया गया। सूत्रों के अनुसार, दोनों शीर्ष नेताओं के बीच सहमति बनी है कि अगले दो से तीन दिनों में दोनों दलों की एक संयुक्त 'कोऑर्डिनेशन कमेटी' बनाई जाएगी, जिसके बाद ही सीटों के बंटवारे पर औपचारिक बातचीत आगे बढ़ेगी। दरअसल अखिलेश यादव ने इस मीटिंग से पहले ही कांग्रेस की ओर से कथित तौर पर दी गई 181 सीटों की लिस्ट का खुलासा कर दिया था। सोशल मीडिया में ऐसी लिस्ट भी तैरने लगी थी। मीडिया और सोशल मीडिया में सामने आई कांग्रेस की कथित 181 सीटों की लिस्ट को लेकर चर्चा तेज है, जिसमें 135 सामान्य, 45 अनुसूचित जाति और 1 अनुसूचित जनजाति की सीट शामिल है। इस लिस्ट में पश्चिमी यूपी, बुंदेलखंड, रायबरेली, सहारनपुर, प्रयागराज, वाराणसी, देवरिया और गोरखपुर की प्रमुख सीटें शामिल बताई जा रही हैं।

रेल मंत्री ने बताया वाराणसी तक बुलेट ट्रेन का पूरा रूट

दिल्ली से 1 घंटे 45 मिनट में कानपुर, 3 घंटे में प्रयागराज...

कानपुरः दिल्ली-गुवाहाटी बुलेट ट्रेन के नॉर्थ कॉरिडोर का पहला चरण वाराणसी तक बनाया जाएगा. दिल्ली-वाराणसी बुलेट ट्रेन रूट में आगरा, लखनऊ, अयोध्या के साथ कानपुर भी बड़ा डेस्टिनेशन होगा. रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को एक कार्यक्रम में कहा कि बुलेट ट्रेन से दिल्ली से कानपुर की यात्रा महज 1 घंटा 45 मिनट में पूरा होगी. जबकि लखनऊ से कानपुर के बीच सिर्फ 27 मिनट में सफर कर पाएंगे. कानपुर से प्रयागराज का सफर 1 घंटे 15 मिनट में होगा. दिल्ली-वाराणसी बुलेट ट्रेन रूट को आगे बिहार में पटना, बंगाल में सिलीगुड़ी से असम के गुवाहाटी तक कॉरिडोर जाएगा.



अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को कानपुर-आनंद विहार टर्मिनल के बीच डेली एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई. कानपुर में अनवरगंज-मंधना एलिवेटेड कॉरिडोर भी काम चल रहा है. साथ ही कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास का काम भी चल रहा है. कानपुर रेलवे स्टेशन को 29 मार्च 1930 को शुरू हुआ था और ये 96 साल पुराना है. जबकि कानपुर में रेल सेवा 3 मार्च 1859 को शुरू हो गई थी, जब प्रयागराज से कानपुर के बीच पहली ट्रेन चली थी. साथ ही बुलेट ट्रेन रूट की जानकारी भी दी. कानपुर में अनवरगंज और मंधना के बीच 16 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड रेलवे ट्रैक बनाया जा रहा है.लगभग 1115 करोड़ रुपये से देश के सबसे लंबे एलिवेटेड ट्रैक की डीपीआर स्वीकृत हो चुकी है.इस एलिवेटेड ट्रैक 18 से अधिक रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रेनों की आवाजाही से सड़क का ट्रैफिक नहीं रुकेगा. इससे कानपुर की करीब 50 लाख आबादी को ट्रैफिक जाम से राहत मिलेगी.मंधना स्टेशन को आनंद विहार टर्मिनल स्टेशन के तौर पर अपग्रेड किया जा रहा है, जैसे दिल्ली के लिए आनंद विहार स्टेशन है, वैसे ही कानपुर सेंट्रल के लिए ये मंधना स्टेशन काम करेगा.

राजा भैया से 'हजूर' कहकर मांगी इजाजत, बाबा बागेश्वर से प्रार्थना...

कुंडा में रामकथा से पहले पत्नी भानवी कुमारी का पोस्ट

नई दिल्लीः उत्तर प्रदेश के कुंडा में होने जा रही बाबा बागेश्वर की रामकथा की काफी चर्चा है. रामकथा को सुनने के लिए एक लाख लोगों के पहुंचने की उम्मीद है. रोजना एक लाख लोगों के भोजना की व्यवस्था की गई है. कुंडा से विधायक राजा भैया ने इस धीरेंद्र शास्त्री की राम कथा का आयोजन कराया है. उन्होंने हजारों लोगों को राम कथा में आने का न्योता भेजा है. इस बीच राजा भैया की पत्नी भावनी कुमारी ने भी बाबा बागेश्वर की रामकथा में आने की इच्छा जाहिर की है. हालांकि, बता दें कि राजा भैया और भानवी कुमारी के बीच अदालत में तलाक का मुकदमा चल रहा है. कई सालों से भानवी



कुमार दिल्ली में अपनी बेटियों के साथ रहती हैं. उनके दोनों बेटे कुंडा में राजा भैया के साथ रहते हैं.

भानवी कुमारी ने एक्स हैंडल पर लिखा, 'उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जनपद के कुंडा स्थित मेरी ससुराल बेती राजभवन में पूज्य श्री धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी के श्रीमुख से आयोजित होने जा रही भव्य श्रीराम कथा का समाचार पाकर मन श्रद्धा, आस्था और भावनाओं से अभिभूत है. मेरी भी हार्दिक अभिलाषा है कि मुझे इस पावन आध्यात्मिक आयोजन में सम्मिलित होने, पूज्य बाबा बागेश्वर जी के दर्शन करने तथा प्रभु श्रीराम की दिव्य कथा का श्रवण करने का सौभाग्य प्राप्त हो.

परिवार को फिर जोड़ने की इच्छा जाहिर करते हुए भानवी कुमारी ने कहा, 'मुझे पूर्ण विश्वास और आशा है कि मेरे हजूर, रघुराज प्रताप सिंह मेरी इस धार्मिक एवं आध्यात्मिक अभिलाषा का सम्मान करते हुए मुझे इस पुण्य आयोजन में सम्मिलित होने का अवसर प्रदान करेंगे, जिससे श्रीराम कथा के श्रवण और आध्यात्मिक अनुभूति का लाभ पूरे परिवार को मिल सके. प्रभु श्रीराम के श्रीचरणों में मेरी यही प्रार्थना है कि उनकी कृपा से परिवार में व्याप्त समस्त नकारात्मकता, कटुता और अशांति का अंत हो.

ललित मोदी का 16 साल बाद बड़ा बयान, कहा- मेरी जान को खतरा था, इसलिए छोड़ा भारत

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी अब ब्रिटिश नागरिक बन चुके हैं. इस बीच उन्होंने भारत छोड़ने पर बड़ा बयान दिया है. ललित मोदी ने उन सुझावों को खारिज कर किया है जिसमें दावा किया गया था कि उन्होंने कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए भारत छोड़ा था. ललित मोदी ने दावा किया कि उनकी जान को खतरा था और इसलिए उन्होंने 2010 में देश छोड़ने का फैसला किया था. ललित मोदी ने सोशल मीडिया के जरिए यह जानकारी दी है. उन्हें



भारत छोड़े हुए 16 साल का समय बीत गया है, जिस पर अब पहली बार प्रतिक्रिया सामने आई है. ललित मोदी को हाल ही में ब्रिटेन की नागरिता मिली है. ललित मोदी ने अपने बयान में बड़ा खुलासा करते हुए कहा 'मुझे अंडरवर्ल्ड से जान से मारने की धमकियां मिल रही थीं और इसलिए मैंने भारत छोड़ दिया था. यह घटना मेरी पुलिस सुरक्षा को बिना किसी पूर्व सूचना के हटाए जाने के तीन दिन बाद हुई थी. उन्होंने दावा किया कि जब उन्होंने भारत छोड़ा, तब उनके खिलाफ कोई एफआईआर दर्ज नहीं थी. मोदी ने कहा कि मुंबई पुलिस के अतिरिक्त आयुक्त ने प्रवर्तन निदेशालय (ED) को लिखे एक पत्र में इस बात की पुष्टि की थी कि केंद्रीय एजेंसियों से मिली खुफिया जानकारी के आधार पर उन्हें सुरक्षा दी गई थी, क्योंकि उनकी जान को खतरा था.

ललित मोदी ने पासपोर्ट रद्द होने के मामले पर भी सफाई दी है. उनका कहना है कि जब प्रवर्तन निदेशालय के निर्देश पर मेरा भारतीय पासपोर्ट रद्द कर दिया गया, तो दिल्ली उच्च न्यायालय ने परिस्थितियों की जांच की और 2014 में मेरा पासपोर्ट बहाल कर दिया था. उन्होंने भारतीय मीडिया के एक वर्ग पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें ब्रिटिश नागरिकता मिलने पर ऐसे पेश किया गया जैसे वह आरोपों से भागे हुए व्यक्ति हैं, जिसे भारत वापस लाने की कोशिश कर रहा है. मोदी ने कहा इस तरह की रिपोर्टिंग का पूरा आधार ही झूठा है. मैं इस तरह की झूठी और मानहानि करने वाली रिपोर्टों के खिलाफ जहां तक संभव हो उचित कानूनी कार्रवाई करूंगा. बयान में सबसे बड़ा दावा यह किया कि भारत में किसी भी अदालत में 16 साल से अधिक समय से उनके खिलाफ कोई आरोपपत्र (चार्जशीट) दायर नहीं किया गया है.

'SIR का फैसला सर्वसम्मति से लिया गया, चुनाव आयोग नहीं दे पाया इसका सबूत'! सुप्रीम कोर्ट में दावा

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार के कामकाज और वोटर लिस्ट के स्ट्रक्स से जुड़े फैसलों को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ता राकेश कुमार सिंह ने सुप्रीम कोर्ट में एक नया हलफनामा दाखिल कर चुनाव आयोग (ECI) की दलीलों पर कड़ा ऐतराज जताया है। याचिकाकर्ता का कहना है कि चुनाव आयोग बार-बार यह दावा कर रहा है कि SIR से जुड़े सभी फैसले तीनों चुनाव आयुक्तों की सर्वसम्मति से लिए गए थे, लेकिन वह इस दावे को साबित करने वाला एक भी समकालीन आधिकारिक रिकॉर्ड कोर्ट के सामने पेश करने में नाकाम रहा



है। एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड मुदित गुप्ता के जरिए दाखिल इस हलफनामे में चुनाव आयोग के जवाबी हलफनामे को खारिज करते हुए कहा गया है कि बाद में किए गए सुधारात्मक कदमों से उन शुरुआती फैसलों को वैध नहीं ठहराया जा सकता, जो 2023 के मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त कानून की धारा 18 के तहत तय प्रक्रिया का पालन किए बिना लिए गए थे।

याचिकाकर्ता का आरोप है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने अन्य दो चुनाव आयुक्तों की सहमति के बिना एकतरफा फैसले लिए थे।

दो दोषियों की जमानत पर बिलकिस बानो का बयान- पुराना डर फिर जिंदा हो गया, न्याय से उठ रहा भरोसा

नई दिल्ली। बिलकिस बानो ने अपने वकील के जरिए बयान जारी 2002 के सामूहिक बलात्कार और हत्या के मामले में 11 दोषियों में से दो की सजा निलंबित करने और जमानत देने के लिए सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर गहरा दुख व्यक्त किया है. उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने मुझे सुने बिना दूसरी बार आदेश पारित किया और मुझे प्रेस के जरिए जानकारी मिली. बिलकिस ने 11 दोषियों में से दो की सजा को निलंबित कर जमानत देने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर हताशा जताई और कहा कि न्याय व्यवस्था से फिर भरोसा उठ रहा है. बिलकिस की ओर से बयान वरिष्ठ वकील शोभा गुप्ता के ने जारी किया है. बिलकिस ने सुप्रीम



कोर्ट के उस आदेश पर गहरा दुख और नाराजगी जताई है, जिसमें 28 अक्टूबर 2026 को जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस पीबी वराले की पीठ ने 2002 के सामूहिक दुष्कर्म और उनके परिवार के 14 सदस्यों की हत्या के मामले में दोषी ठहराए गए 11 लोगों में से दो की सजा निलंबित कर उन्हें जमानत दे दी थी. 16 नवंबर को जारी अपने बयान में बिलकिस बानो ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें इस मामले में न तो सुनवाई के लिए बुलाया और न ही आदेश पारित करने से पहले उनकी बात सुनी. उन्हें इस आदेश की जानकारी भी अदालत से नहीं, बल्कि मीडिया रिपोर्टों के जरिए मिली.

उन्होंने आगे कहा कि मेरे दर्द और आंसुओं के बीच शब्द भी साथ नहीं दे रहे. मुझे अब भी विश्वास नहीं हो रहा कि दूसरी बार सुप्रीम कोर्ट ने मुझे बुलाए बिना और मेरी बात सुने बिना आदेश पारित कर दिया. उन्होंने कहा कि जब वह महज 19 साल की थीं तब उनकी दुनिया उजड़ गई थी.उनकी बच्ची, परिवार, घर और इंसानियत पर उनका भरोसा सब कुछ उनसे छीन लिया गया था. पिछले 24 वर्षों से वह अपने और उन तमाम महिलाओं के लिए न्याय की लड़ाई लड़ रही हैं, जिन्होंने अन्याय का सामना किया.

उन्होंने आगे कहा कि इतने सालों में उन्होंने अदालतों के चक्कर लगाए और हर बार न्याय मिलने पर उनका न्याय व्यवस्था पर विश्वास बहाल हुआ. उन्होंने अपनी जिंदगी को मुश्किल से अपने परिवार और दोस्तों के प्यार और मदद से खड़ा किया. अब वह शांति से जीना और मुस्कुराना सीख रही थीं.लेकिन सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश ने उनके पुराने डर को फिर से जिंदा कर दिया है. उन्होंने कहा कि उन्हें एक बार फिर अपने और अपने परिवार खासकर बच्चों की सुरक्षा को लेकर डर लग रहा है.

श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर जोर देगी भाजपा, कुल 5 मुद्दों पर बनेगी चुनावी रणनीति

मथुराः उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने कमर कसना शुरू कर दिया है. वोटर लिस्ट को लेकर पार्टी एक्टिव है तो वहीं जनता के बीच जाने की भी पूरी तैयारी हो रही है. इसी क्रम में मंगलवार को मथुरा में पार्टी के चिंतन शिविर में चुनावी रणनीति पर चर्चा हुई है. इसके तहत यह तय किया गया कि 2027 विधानसभा चुनाव में पार्टी श्रीकृष्ण जन्मभूमि, UCC, इंफ्रास्ट्रक्चर, सुरक्षा और राष्ट्रवाद को मुद्दा बनाएगी. इनको केंद्र रखकर ही चुनावी रणनीति तैयार की जाएगी. सूत्रों का कहना है कि कृष्ण जन्मभूमि के जरिए अखिलेश यादव को घेरने का प्रयास किया जाएगा. इससे उन्हें



बैकफुट पर लाना भी आसान होगा, जो यदुवंशी वोटों की राजनीति करते हैं. मथुरा में आयोजित पार्टी के चिंतन शिविर में मिशन-2027 को लेकर पांच प्रमुख मुद्दों पर फोकस करने की रणनीति बनी है. भाजपा तीसरी बार सत्ता में वापसी के लिए श्रीकृष्ण जन्मभूमि के मुद्दे को प्रमुख राजनीतिक और वैचारिक एजेंडे के रूप में आगे बढ़ाने की तैयारी में है. बीजेपी के चुनावी महामंत्र में पांच बड़े मुद्दे शामिल हैं. ये मुद्दे हैं

-श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर भव्य मंदिर का मुद्दा

-समान नागरिक संहिता (UCC)

-इंफ्रास्ट्रक्चर और विकास

-कानून-व्यवस्था और सुरक्षा

-राष्ट्रवाद और सांस्कृतिक विरासत

बता दें कि उत्तर प्रदेश में चुनावी अभियान भाजपा तेज करने में जुटी है. इसी क्रम में पिछले दिनों कार्यसमिति की मीटिंग में अमित शाह आए थे. इस दौरान उन्होंने बूथ स्तर तक फिर से जाने को कहा था. इसके अलावा हाल ही में एक और मीटिंग संगठन की हुई थी. इसमें सीएम योगी, प्रभारी विनोद तावड़े और प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी समेत कई नेता मौजूद थे. इस मीटिंग में SIR को लेकर मंथन हुआ तो वहीं चुनाव के लिए सीटवार विश्लेषण भी किया गया.

शेयर बाजार में दस्तक देगी धोनी के सपोर्ट वाली कंपनी, सेबी की है हरी झंडी

नई दिल्ली। दिग्गज क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी ने बतौर खिलाड़ी इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) से संन्यास ले लिया है। यह खबर धोनी के फैंस के लिए किसी झटके से कम नहीं है। हालांकि, वह बतौर मेंटर अपनी आईपीएल फ्रेंचाइजी टीम चेन्नई सुपरकिंग्स के साथ जुड़े रहेंगे। इसके अलावा धोनी के सपोर्ट वाली एक कंपनी शेयर बाजार में भी एंट्री लेने वाली है। आइए डिटेल जानते हैं।

दरअसल, धोनी के निवेश वाली कंपनी गरुड़ एयरोस्पेस का आईपीओ लॉन्च होने वाला है। इस आईपीओ को सेबी से पहले ही मंजूरी मिल चुकी है। चेन्नई स्थित ड्रोन टेक्नोलॉजी कंपनी गरुड़ एयरोस्पेस अपने आईपीओ के जरिए लगभग 1,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। इसमें 750 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी करना और 250 करोड़ रुपये की बिक्री के लिए पेशकश (OFS) शामिल है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 में 118 करोड़ रुपये का राजस्व और 17.5 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया था। गरुड़ एयरोस्पेस के फाइनेंशियल ईयर 2025-26 की एनुअल रिपोर्ट में महेंद्र सिंह धोनी के निवेश के बारे में विस्तार से बताया गया था। इसके मुताबिक कंपनी ने धोनी के साथ 12 मई 2022 को एक सेलिब्रिटी एंडोर्समेंट एग्रीमेंट किया था। इसके तहत धोनी को दो साल की अवधि में कुल छह दिन ब्रांड एंडोर्समेंट से जुड़ी सेवाएं देनी थीं, जिसके बदले उन्हें 7 करोड़ रुपये (70 मिलियन रुपये) का भुगतान किया जाना था। कंपनी ने इस रकम को सेवाएं दिए जाने की अवधि के दौरान अपने खातों में दर्ज किया। इसके अलावा, इसी तारीख को धोनी के साथ राइट टू सब्सक्राइब (RTS) एग्रीमेंट भी किया गया था। इस समझौते की शर्तों के तहत 31 मार्च 2026 को समाप्त अवधि के दौरान कंपनी ने धोनी को 1,025 शेयर आवंटित किए। इन शेयरों का एक्सरसाइज प्राइस 20,429.07 रुपये प्रति शेयर था। इस तरह धोनी को ब्रांड एंडोर्समेंट के साथ-साथ समझौते के तहत कंपनी में शेयर भी मिले। हालांकि, धोनी के निवेश की ताजा स्थिति क्या है, इसके बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है। इकोनॉमिक टाइम्स की Tracxn के आंकड़ों पर आधारित रिपोर्ट के मुताबिक, धोनी का निवेश इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, फिनटेक, ड्रोन टेक्नोलॉजी, अल्टरनेटिव प्रोटीन और स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में फैला हुआ है। उनके निवेश वाले कारोबारों में ब्लूस्मार्ट, खाताबुक, कार्स24, सेंट्रिसिटी, रिगी, ईमोटोरैड, शाका हैरी, 7इंक ब्रूज, टैगड़ा रहो और रन एडम जैसे नाम शामिल हैं।

भारत के पूर्व करिश्माई कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का आईपीएल में खिलाड़ी के तौर पर शानदार करियर समाप्त हो गया। इस 45 वर्षीय क्रिकेटर के आईपीएल में खिलाड़ी के तौर पर खेलने को लेकर पहले से ही अटकलें लगाई जा रही थीं।

हरिद्वार में मासूम से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

हरिद्वार। उत्तराखंड के हरिद्वार में 11 महीने की बच्ची से कथित दुष्कर्म के आरोप में सौरभ नामक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को बाल्मीकि चौक के पास से पकड़ा। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई की जा रही है और उसकी मेडिकल जांच भी कराई जा रही है। सौरभ बिहार के भागलपुर निवासी है और सिडकुल क्षेत्र की निजी फैक्ट्री में काम करता है। यह हृदयविदारक घटना 15 नवंबर की रात सिडकुल क्षेत्र में घटी थी। घटना के बाद गंभीर हालत में बच्ची को हरिद्वार जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से बच्ची को ऋषिकेश स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रेफर कर दिया गया। चिकित्सकों के अनुसार, बच्ची की हालत फिलहाल स्थिर बनी हुई है।

स्वामी/ प्रकाशक / मुद्रक
प्रमोद कुमार ने जय माँ गंगा प्रिंटर्स, हरिद्वार से मुद्रित कराकर कार्तिकेय कॉलोनी, फेस-3, दर्पण स्कूल वाली गली, निकट हनुमान मंदिर, कुसुमखेड़ा, हल्द्वानी जनपद-नैनीताल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया।
सम्पादक
प्रमोद कुमार
मो.7830201066
सह-सम्पादक
दया जोशी
मो.9412135616